हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

27 फरवरी, 1991

खण्ड 1, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 27 फरवरी, 1991

पृश्ठ संख्या

राज्यपाल का अभिभाशण (सदन कीमेज पर रखी गई प्रति)	(1)1
लोक प्रस्ताव	(1)19
सभा का स्वागत	(1)40

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 27 फरवरी, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 15.30 बजे हुई। (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

श्री अध्यक्षः मैम्बन साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रुल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रुल 18 के अनुसार यह सूचना देनी है कि कांस्टीच्यू ान के आर्टिकल 176(1) के अनुसार राज्यपाल ने आज 27 फरवरी, 1991 को 2:00 बजे बाद दोपहर हरियाणा विधान सभा के सामने ऐड्रेस देने की कृपा की है।

ऐड्रेस की एक कापी टेबल आफ दि हाउस पर रखी जाती है।

माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यगण,

वर्श 1991 में हरियाणा विधान सभा के प्रथम अधिवे ान में आपका स्वागत करते हुए मुझे अत्यन्त हर्श हो रहा है। व्यक्तिगत तौर पर मै आप में से लगभग सभा से मिल चुका

हूं। परन्तु हरियाणा में मेरे आने के बाद यह पहला अवसर है जब मै आप सब को सामूहिक रुप में संबोधित कर रहा हू। मै आपको नव वर्श की भाुभ कामनाएं देता हूं। इस सेवा का लाभ उठाते हुए मै आपको यह भी बताना चाहूंगा कि इस प्रगति ील राज्य की सेवा के अवसर मेरे लिए बडे सौभाग्य की बात है। मेरा यह पूर्ण वि वास है कि हम सभी हरियाणावासियो के लिए एक उज्जवल एव ंखु ाहाल भविश्य की कामना कर सकते हैं।

2. वर्श 1991 एक घटनापूर्ण वर्श रहा है। राज्य में और केन्द्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए है। वर्तमान मंत्रीमण्डल श्री हुकम सिंह के नेतृत्व में चौधरी देवी लाल द्वारा अपनाई गई नीतियो एवं कार्यक्रमो का अनुसरण कर रहा है तथा हरियाणा के लोगो को किए गए वायदो को पूरा करने के लिए कृत–संकल्प है।

3. हरियाणा राज्य पहली नवम्बर 1966 को आस्त्ित्व में आया। इस वर्श यह अपनी स्थापना की रजन जयंती मनाने जा रहा है। इस अवसर पर मै आप सब को तथा आपके माध्यम से हरियाणावासियो को अपनी हार्दिक बधाई देता हूं। इस अवधि में राज्य को अनेक क्षेत्रो में उत्कृश्ट उपलब्धियां प्राप्त हुई है जिन पर हरियाणावासी गर्व कर सकते है। मुझे वि वास है कि आने वाले दिनो मेंं मेरी सरकार अपने निश्ठापूर्ण और सतत प्रयासो से इस प्रगती ील प्रदे ा को उच्चतर उपलब्धियो तथा गौरव की ओर उन्मुख करेगी।

4. माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप जानते है, कि हम एक ऐतिहासिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहे है। ऐसे परिवर्तन के दौरान प्रायः कुछ अप्रिय तथा अवांछनीय घटनाएं भी घटती है। संकीर्ण तथा कट्टरपंथी धारणएं हमारे समाज में आर्थिक, सामाजिक तथा राजनैतिक परिवर्तन लाने के प्रयासो में रुकावट डालती है। इन बाधाओ के बावजूद हमें प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होता है। मेरी सरकार का यह प्रयास होगा कि आम आदमी, किसानो तथा आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग को और अधिक अवसर प्राप्त हो ताकि वे भी प्रदे ा के विकास और समृद्धि में पूर्ण रुप से भागीदार बन सके। इसी नीति के अनुरुप मेरी सरकार ने न्यायमूर्ति गुरमान सिंह आयोग की सिफारि ाो को मानने का निर्णय लिया है जिसके फलस्वरुप सरकारी नौकरियो में आरक्षण का क्षेत्र और अधिक व्यापक हो जाएगा तथा उस में पिछडे वर्ग और आर्थिक रुप से कमजोर लोग भी भाामिल हो जाएंगे। इन्ही वर्गो के लिए व्यावसायिक ि ाक्षण संस्थाओ में स्थानो के आरक्षण तथा व्यावसायिक प्रि ाक्षण आदि के लिए भी कदम उठाने का हमारा प्रस्ताव है।

5. मेरी सरकार वि व स्तरीय घटनाओ से उत्पन्न परिस्थितियो के प्रति पूरी तरह से सजग है। खाडी युद्ध से उत्पन्न हालात के फलस्वरुप राज्य मे आव यक वस्तुओ का कृत्रिम अभाव पैदा करने की चेश्ठा की गई। मेरी सरकार ने तुरन्त प्रभावरी कदम उठाए तथा उचित मूल्यो पर सभी अवा यक वस्तुओ की आपूर्ति

सुनि चत की। खाद्यानो के मामले में हरियाणा की स्थिती प्र ंसनीय बनी रही है तथा न केल वह आत्म–निर्भर रहा है अपितु उसने अन्य राज्यो की आव यकताओ को भी पूरा किया है। मुझे प्रसन्नता है कि स्पश्ट एवं दृढ नीति के फलस्वरुप राज्य में आव यक वस्तुओ को लेकर किसी प्रकार की भगदड नही मची।

6. हाल ही में दे ा के अनेक भागो में हुए साम्प्रदायिक दंगो से बहुत सी मौतें हुई तथा विभिन्न सम्प्रदायो में कटुत और भय उत्पन्न हो गया। इन दंगो के दौरान प्र ाासन पर अत्यधिक तनाव रहा। यह उल्लेख करते हुए मुझे खु ी है कि मेरी सरकार ने इस स्थिती से निपटने में बडी कार्यकु ालता का परियच दिया। हम सभी ने देखा कि प्र ाासनिक ढांचे के सभी अंगो ने वि ाश्ट और महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा घोर उत्तेजना के बावजूद उन्होने दृढता से काम लिया तथा प्रदे ा भर में साम्प्रदायिक सद्भाव बनाए रखा। वस्तुतः मेरी सरकार और हरियाणा की जनता ने भाांति और सद्भावना का एक उल्लेखनीय दृ टांत पे ा किया है। लेकिन मण्डल आयोग की रिपोर्ट को लागू करके भारत सरकार के फैसे की घोशणा से उत्पन्न स्थिती के बारे में ऐसा नही कहा जा सकता। समाज के कुछ गैर–जिम्मेदार तते ने हिंसा, आगज़नी तथा लूटपाट की वारदातें की जिसमें एक गंभीर स्थिती पैदा हो गई तथा कानून और व्यवस्था कायम करने के लिए सेना तथा अर्ध–सैनिक बलोक की सहायता लेनी पडी। दुर्भाग्यव ा, इस आन्दोलन के दौरान बल प्रयोग भी करना पडा। हमारे संविधान में

भाांतिपूर्ण तरीको से विरोध प्रकट करने की पूरी स्वतंत्रता है और किसी भी प्रकार की हिंसा के प्रयोग की भर्त्सना करनी चाहिए तथा उस पर प्रभावी प्रतिबन्ध लगाना भी आव यक है। मै सभी लोगो तथा वर्गो से पुरजोर अपील करता हूं कि वे सभी लोगो की मान–मर्यादा और आत्म–सम्मनान का आदर करते हुए इस प्रदे ा में भाांति कायम रखने में मदद करें।

7. मेरी सरकार अपनी वचनबद्धता की पुनरावूति करती है कि उसके समस्त प्रयास साम्प्रदायिक सद्भाना का वातावरण तथा लोगो में परस्पर सहयोग की भावना बनाए रखने की ओर उन्मुख होगें। तथापि, हिंसा ओर खास तौर पर आतंकवादियो के अत्याचार के कारण हुए नरसंहार से मेरी सरकार तथा इस भाांतिप्रिय प्रदे ा के लोगो को हुई पीडा का उल्लेख करना चाहूंगा। मै उन दुर्धटनाओ का खासतौर पर जिक करुंगा जिन में 5 अप्रैल , 1990 को पानीपत में बस स्टैण्ड पर हुए एक भाक्ति ाली बम विस्फोट में 11 लोगो की जाने गईः 17 नवम्बर, 1990 को डबवाली के 10 लोगो की उग्रवादियो द्वारा साथ लगते प्रजाब के इलाके में हत्या कर की गई तथा 11 जनवरी, 1991को अम्बाला के एक बाजार में बम विस्फोट से दो लोगो की मृत्यू हुई। हमें यह आभास है कि मानव–जीवन अनमोल है ओर इसकी क्षतिपूर्ति कभी नही हो सकती। हमें पीडित परिवारो की गहन पीडाका भी अहसास है। फिर भी उन लोगो के प्रति, जिन्होने आतंकवादियो के हाथो जाने गंवाई, मेरी सरकार ने संवेदना स्वरुप

एक दिसम्बर, 1990 से मुआवजे के रुप में दी जाने वाली रा ि 20000 रुपए प्रति व्यक्ति से बढाकर 50000 रुपए प्रति व्यक्ति करने का निर्णय लिया है।

मेरी सरकार राज्य के लोगो को यह आ वासन देती है ि कवह नागरिको को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करने के लिएवचनबद्ध है और इस दि ा में उसमें कुछ निर्णायक कदम भी उठाए है। गुप्तचर–तंत्र को सदृढ का गया है। चार नई कमाडो कम्पनिो का एक वि ोश कार्य–दल गठित किया गया है तथा चार बम डिस्पोजल दस्तो का भी गठन किया गया है। 3500 सिपाहियो की भर्ती करके राज्य–पुलिस बल में वुद्धि की गई है और अधिक कारगर हथिार जुटा कर पुलिस बल की फायर क्षमता का आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

मेरी सरकार बडी उत्कंठा के साथ पंजाव समस्या के भीध्र समाधान की आ ा करती है। नई केन्द्रीय सरकार ने इस कलह पीडित प्रदे ा में भांति बहाल करने के लिए नये प्रयास आरम्भ किये है। हम इनकी सफलता की कामना करते है। पंजाब समस्या के कारण हरियाणा का सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक वातावरण काफी तनावग्रस्त रहा है जिसने हमें कानून और व्यवस्था के लिए बहुत भारी खर्चा उठाने को विव ा कर दिया है। मुझे यह कहते हुए खु ी है कि हम उग्रवादियो के जाल को हरियाणा में फैलने से रोकने में सफल रहे है। परन्तु पंजाब की स्थिती ने हमारे राज्य के आर्थिक विकास की गति पर प्रतिकुल प्रभाव

अव य डाला है। मै वि ोश रुप से सतलुज–यमुना योजक नहर के कार्य का जिक करना चाहूंगा जो बार–बार आ वासन दिए जाने के बावजूद अधूरा पडा है और जिसके परिणामस्वरुप कृशि–उत्पादन में लगातार भारी नुकसान हो रहा है। हमें पूरी उम्मीद है कि केन्द्रीय सरकार इस चिरलम्बित परियोजना के निर्माण कार्य को मुकम्मल करने के लिए कारगर कदम उठाएंगी।

8. मेरी सरकार ने योजनागत कार्यकमो के कियान्वयन को सुनि चत करने के लिए सार्थक प्रयास किए है। राज्य सरकार की यह मूल कार्यनीति रही है कि विकास की गति में तीव्रता लाई जाए तथा समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए अवसर उपलब्ध कराए जाएं। हमारी आर्थिक नीति की प्रमख वि ोशताएं है– किसानो के लिए पैकेज रुप में समुन्नत कृशि पद्धतियो एवं प्रात्साहनो द्वारा उपज बढाने के उद्दे य से कृशि का विकासः बिजली एवं सिंचाई की क्षमता बढाकर, योजक सडके उपलब्ध करा कर तथा यातायात के व्यापक साधन जुटा कर अर्थ–व्यवस्था के मूलभूत ढांचे को सदृढ करनाः ग्रामीण क्षेत्रो में लघु एवं कुटीर उद्योगो का विकासः जन सामान्य तथा वि ोशकर समाज के कमजोर वर्गों के जीवन–स्तर को उपर उठाने के उद्दे य से स्वास्थ्य, ि ाक्षा तथा अन्य सामाजिक सेवाओ में सुधार, और मानव संसाधनो का और अधिक प्रभाव ाली उपयोग करने की दृश्टी से भौक्षिक एवं व्यावसायिक कार्यकमो को नई दि ाा की ओर उन्मुख करना।

9. वर्श 1989–90 के दौरान राज्य की अर्थ–व्यवस्था में अच्छा, सुधार परिलक्षित हुआ है। सुलभ अनुमानो के अनुसार 1980–81 मे आधार वर्श मानर स्थिर भावो में वर्श 1988–89 में राज्य की आय 4961 करोड रुपए से बढकर वर्श 1989–90 में 5113 करोड रुपए हो गई है जिससे कि 3.1 प्रति ात की वृद्धि का संकेत मिलता है। चालू भावो के आधार पर राज्य की आय, जो वर्श 1988–89 में 8693 करोड रुपए थी, वह 15.4 प्रति ात की दर से बढकर वर्श 1989–90 में 10032 करोड रुपए हो गई है। स्थिर भावो (1980–81) के आधार पर प्राथमिक सैक्टर में भुद्ध घरेलू उत्पाद वर्श 1988–89 में 2398.08 करोड रुपए से अं ातः घटकर वर्श 1989–90 में 2361.85 करोड रुपए हो गया, अर्थात 1. 5 प्रति ात की कमी रही जिसका मूल कारण कृशि उत्पादन में गिरावट है। परन्तु द्वितीयक सैक्टर 1052.68 करोड रुपए से बढकर 1128.89 करोड रुपए तक पहुंच गया जिससे कि साल के दौरान 7.2 प्रति ात वृद्धि परिलक्षित होती है। तृतीयक सैक्टर ने भी 7.4 प्रति ात की वृद्धि द ार्यी है। राज्य की सकल आय मे इसका योगदान वर्श 1988–89 में 1510.22 करोड रुपए से बढकर वर्श 1989–90 में 1622.29 करोड रुपए हो गया। 1980–81 को आधार वर्श मानकर वास्तिवक प्रति व्यक्ति आय वर्श 1989–90 में 3193 रुपए अनुमानित है जबकि वर्श 1988–89 में यह 3160 रुपए थी। चालू भावो के आधार पर प्रति व्यक्ति आय वर्श 1989–90 में 6265 रुपए बनती है जबकि वर्श 1988–89 में यह 5537 रुपए थी।

अर्थव्यवस्था की एक चिन्तजनक प्रवृति यह रही है कि वर्श 1990 में कीमते लगातार बढती रही। अखिल भारतीय श्रमिक वर्ग उपभोक्ता कीमत सूचकांक (आधार 1960=100) मार्च, 1989 में 818 से बढाकर मार्च, 1990में 873 हो गया अर्थात् इसमें 6.7 प्रति ात की वृद्धि हुई। मार्च, 1990 के बाद यह फिर से 12.4 प्रति ात से बढकर दिसम्बर, 1990 में 981 तक जा पहुंचा। इसी प्रकार हरियाणा राज्य श्रामिक वर्ग उपभोक्ता कीमत सूचकांक (आधार 1972–73=100) मार्च, 1989 तथा मार्च, 1990 के अन्तराल में 333 से बढकर 359 तक बढ गया अर्थात् 7.8 प्रति ात वृद्धि अंकित हुई। दिसम्बर, 1990 को समाप्त होने वाली नौ महीने की अवधि में 11.4 प्रति ात की वुत्रिद्ध के साथ यह फिर 400 तक जा पहुंचा।

10. आठवी पंचवर्शीय योजना एक अप्रैल 1990 से प्रारम्भ होने वाली थी, परन्तु केन्द्रीय सरकार अभी तक इसकी अप्रोच किया–विधि तथा कियन्वयन प्रकिया को अंतिम रुप देने में व्यस्त है। हरियाणा में अपनी आठवी पंचवर्शीय योजना के लिए 4300 करोड रुपए का प्रस्ताव रखा है। इस बीच राज्य की 1990–91 की वार्शिक योजना 700 करोड रुपए की अनुमोदित हुई थी जो अब सं ाोधित हो कर 653.02 करोड रुपए की रह गई है। 1991–92 की वार्शिक योजना के लिए 765 करोड रुपए का अनुमोदन किया गया है जिसमें चालू वर्श के सं ाोधित प्रावधान की तुलना में लगभग 17 प्रति ात की वुद्धि परिलक्षित होती है।

कुल मिलाकर प्रस्तावित व्यय का लगभग 71 प्रति ात ग्रामीण क्षेत्रो के विकास पर खर्च किया जाएगा।

11. आबकारी तथा कराधान सरकार की आय का प्रमुख साधन है। वर्श 1990–91 के लिए आबकारी तथा–कराधान विभाग के लिए 892.79 करोड रुपए राजस्व एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है। जहां सरकार का प्रयास अधिकाधिक साधन जुटाने का रहा है, वहां वह लोगो की समस्याओ के प्रति भी संवेदन ील रही है। तभी तो समाज के गरीब वर्ग को राहत देने के लिए 25 रुपए तक की किमत वाली चप्पलो को बिक्री कर से मुक्त कर दिया गया है। खेती–बाडी के यंत्रो के हिस्से–पुर्जेभी बिक्री कर से मुक्त कर दिये है। बिक्री कर के ढांचो को युक्तियुक्त बनाते हुए चना पर बिक्री कर की दर 4 प्रति ात से घटाकर 1 प्रति ात कर दी गई है, कारो पर 10 प्रति ात से घटाकर 6 प्रति ात तथा जीपो पर 10 प्रति ात से घटाकर 3 प्रतिशत कर दिया गया है। ट्रैक्टरो पर केन्द्रीय बिक्री कर 4 प्रति ात से घटाकर 2 प्रति ात कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त सरकार ने टैक्स की चोरी की रोकथाम के लिए एक नई योजना भ्ारु की है जिसके अन्तर्गत किसी भी सूचना देने वाले को एक केस में चारी किए गए तथा बचाए गए टैक्स की रा ि ा का 20 प्रति ात तक, तथा अधिकतम 50 हजार रुपए तक का इनाम दिया जा सकता है। आबकारी व कराधान विभाग के अधिकारी भी किसी एक केस में अधिकतम 20 हजार रुपए तक के इनाम पा सकेगें।

वर्श 1990 में अल्प बचतो के अन्तर्गत 233 करोड रुपए दीर्घावधि निवे ाो में जमा किए गए। इसके फलस्वरुप राज्य सरकार को भारत सरकार से 163 करोड रुपए तक की ऋण सहायता का लाभ प्राप्त होगा। इस रा ि ा से राज्य सरकार को अपने विकास एवं कल्याण कार्यक्रमो को आगे जारी रखने में मदद मिलती है। मै माननीय सदस्यो से अनुरोध करना चाहूंगा कि वे राज्य एवं समाज के हित में अल्प बचत आन्दोलन को अपना सक्रिय समर्थन प्रदान करें।

12. सौभाग्यव ा, हरियाणा वर्श 1990 में किसी भयंकर प्राकृतिक प्रकोप से प्रभावित नही हुआ। तथापि जुलाई मास में अधिक वर्शा होने के कारण लगभग 16000 मकान प्रभावित हुए। 1988 मकान पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त हो गए थे। मेरी सरकार ने तत्काल निर्णय लिया कि क्षतिग्रस्त मकानो की मरम्मत व पूननिर्माण के लिए मकानो में हुए नुकसान के बराबर रा ि ा या अधिकतम 5000 रुपए का अनुदान प्रभावित लोगो को दिया जाए। अन्य क्षतिग्रस्त कच्चे मकानो के लिए अनुदान की रा ि ा 400 रुपए से बढाकर 600 रुपए, तथा पक्के मकानो के लिए 600 रुपए से बढाकर 1000 रुपए करने का भी निर्णय लिया गया है। हाल ही में 11 फरवरी, 1991 को भिवानी, फरीदाबाद, नारनौल, यमुनानगर, अम्बाला और रोहतक जिलो के 281 गावो में ओलाबारी से खडी फसलो को भारी हानि पहुंची। फसल की क्षति 26 से 50 प्रति ात तक होने की स्थिती में प्रति क्षतिग्रस्त एकड के लिए 200 रुपए,

क्षति 51 से 75 प्रति ात तक होने पर 300 रुपए प्रति एकड और 75 प्रति ात से अधिक होने पर 400 रुपए प्रति एकड की दर पर मुआवजा दिया जाएगा। इस प्रयोजनार्थ 67.51 लाख रुपए की रा ि ा स्वीकृत की जा चुकी है।

13. मेरी सरकार की विवेकपूर्ण नीतियो के अनुसरण से कृशि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हुई है। वर्श 198.–90 में खाद्यान्न उत्पादन 86.56 लाख टन था। गन्ना और उपसा के उत्पादन में प्र्याप्त वृद्धि हुई है। तथापि, प्रतिकुल मौसम के कारण तिलहनो के उत्पादन में कमी आई। राज्य में 25.62 लाख टन का रिकार्ड खरीफ खाद्यान्न उत्पादन हुआ। किन्तु बार बार वर्शा होने तथा नमी के कारण कपास की फस को काफी हानि हुई।

चालू रखी फसल के लिए खाद्यान्न तथा तिलहन के उत्पादन का लक्ष्य क्रम ाः 71.20 लाख टन और 4.75 लाख टन नि ि चत किया गया है। इन लक्ष्यो को प्रापत करने के लिए सरकार ने किसानो की सहायत के लिए अनेक उपाय किए है। प्रभावित बीज, उर्वरक, ना ि ाकीटमार और खरपतवार ना ाक की सप्लाई की व्यवस्था की गई है। वि ोश खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत धान, मकई और बाजरा की अधिक उपजाऊ किस्में रियायती दरो पर उपलब्ध कराई गई हे। चालू मौसम में गन्ने का मूल्य और बढा कर 46 रुपए प्रति क्विंटल नि ि चत किया गया है। किसानो को संकर बीज 50 प्रति ात की रियायती दर पर देकर सूरजमुखी की आ त को बढावा दिया जा रहा है।

नवस्थापित बागवानी निदे ालय बागवानी ओर सब्जियो के विकास पर ध्यान देगा। हरियाणा कृशि उद्योग निगम लिमिटेड ने मार्किट इंटरवे ान स्कीम के अन्तर्गत 320 मी0 टन अंगूर, 124 मी0 टन किन्नू, 340 मी. टन माल्टा और 25 मी0 टन खुम्बी की खरीद करके उत्पादको को यें पदार्थ कम कीमत पर बेचने की मजबूरी से बचाया।

वर्श 1991–92 के लिए खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 101. 20 लाख टन नियत किया गया है। जिसके लिए 2670 लाख रुपए का योजना परिव्यय नियत किया गया है। भू–संरक्षण और भूमि विकास कार्यों को और तेज किया जाएगा ओर विपणन अवस्थापना में सुधार लाया जाएगा। हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड ने 12 सब्जी मण्डियो में विकास कार्य भ ुरु कर दिए है।

14. मेरी सरकार किसानो को अतिरिक्त आय प्राप्त कराने के लिए अन्य सम्बद्ध क्षेत्रो, प ुपालन, डेरी–विकास, मछली–पालन और वानिकी, मे भी विभिन्न स्कीमें कार्यान्वित कर रही है। दूध, अण्डा और ऊन के उत्पादन को बढाने पर जोर दिया जाएगा। आठवी पंचवर्शीय योजना के अन्त तक दूघ की प्रति व्यक्ति उपलबधता को वर्तमान 539 ग्राम प्रतिदिन से बढाकर 600 ग्राम प्रतिदिन कर दिया जाएगा। वर्श 1991–92 के लिए 1350 मिनी डेरी इकाईयां लगाने का लक्ष्य नियत किया गया है। इनमें से, 550 इकाइयां ''स्पे ाल क्म्पोनेंट प्लान'' के अन्तर्गत केवल अनुसूचित जातियो के लाभ के लिए होगी। मछली–पालन के

विकास के लिए वर्श 1991–92 में 192 लाख रुपए का आवंटन अनुमोदिक किया गया है।

हरियाणा को हरा–भरा बनाने के लिए एक वि ेश कार्यक्रम भुरु किया गया है। वर्श 1990–91 में, वन विभाग द्वारा 40000 हैक्टेयर पर और 20000 हजार हैक्टेयर पर अन्य लोो द्वारा जिसमें स्वैच्छिक संगठन, तथा किसान लोग भी भामिल है, पौधा–रोपण का कार्य चल रहा है। 1671 छोटे किसानो और भूमिहीन लोगो को 0.45 रुपए प्रति पौधे की दर से 180 लाख रुपए की सहायता दी गई है। वन विकास निगम, जिसकी हाल ही में स्थापना की गई है, भीघ्र ही कार्य प्रारम्भ कर देगा।

15. मेरी सरकार सहकारी संस्थओ के विकास की ओर पूर्ण ध्यान देती रहेगी। सहकारिता वर्श 1989–90 के दौरान, प्राथमिक सहकारी ओ सेवा समितियो के माध्यम से 352 करोड रुपए से अधिक का ऋण उपलब्ध करवाया गया था। हरियाणा राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक ने वर्श 1989–90 के दौरान ट्रैक्टरो, ऊंट गाडियो की खरीद, नलकूप लगाने और भूमि को सममतल करने आदि के प्रयोजनार्थ 25291 सदस्यो को 40.05 करोड रुपए की रा ि ा प्रदान की है। हरियाणा सहकारी कृशि और ग्रामीण कर्जा रहित स्कीम, 1990 के अन्तर्गत 2.98 लाख लाभानुभोगियो को 128.60 करोड रुपए की राहत प्रदान की जा रही है।

हरियाणा राज्य सहकारी सप्लाई और विपणन संघ लिमिटेड 74 प्राथमिक सहकारी विपणन एवं प्रक्रमण समितियो के नेटवर्क के माध्यम से राज्य में कृशि उत्पाद की खरीद तथा उर्वरको और कीटना ी दवाईयो उवं नाि ाकीटमार दवाईो की सप्लाई में लगा हुआ है। 33 केन्द्रीय सहकारी उपभोक्ता भण्डार, 57 प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार, 1156 मिनी बैंक और 500 परचून दुकाने उपभोक्ता सामग्री और अनिवार्य वस्तुओ की सप्लाई के कार्य मे लगी है।

वर्श 1989–90 में, 7 सहकारी चीनी मिलो ने 181.46 लाख क्विंटल गन्ने का पीडन करके 17.54 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया। मुझे यह जानकर खु ी हुई कि हरियाणा में गन्ने का मूल्य गत तीन वर्शो से दे ा में अधिकतम रहा है और गन्ने के मूल्य की अदायगी से संबंधित कोई बकाया राि ा नही है। कम निसारण वाले अंचलो की मिलो में भााहबाद तथा करनाल की चीनी मिलो ने क्रम ाः प्रथम वे तुतीय स्थान प्राप्त किया है जो राज्य के लिए बडे गर्व की बात है।

16.मेरी सरकार आगामी वर्श में कृशि उत्पादन में वृद्धि की प्राप्ति के लिए राज्य में सिंचाई के विकास को सर्वोच्च प्राथकिता देती रहेगी। सिंचाई का और अधिक विस्तार अब सतलुज–यमूना योजक परियोजना के पूरा होने और रावी–व्यास क `जल में हमारे हिस्से की उपलब्धता पर अधिक निर्भर करता है। जल संसाधनो के अभाव को देखते हुए, वहन–क्षतियो को कम

करने तथा उनका हश्टतम उपयोग सुनि चत करने के लिए कई योजनाएं भ्रुरु की गई है। वि व बैंक सहायता प्राप्त परियोजना के अन्तर्गत वर्तमान जल–मार्गों का 110 लाख वर्गफूट क्षेत्र पक्का किया गया है जिससे कुल पक्का क्षेत्र बढकर 490 लाख वर्गफूट हो गया है। इसके अतिरिक्त, खालो की 1300 किलोमीटर लम्बाई को भी पक्का किया गया है जिससे कुल पक्के खालो की लम्बाई लगभग 19800 किलोमीटर हो गई है। इस प्रकार बनाए गए पानी से और अधिक क्षेत्र को सिंचित किया जा सकेगा।

17. ऊर्जा क्षेत्र को भी सवोच्च प्राथमिकता दी गई है। विभिन्न प्रयासो के फलस्वरुप विद्युत आपूर्ति की स्थिती में और सुधार परिलक्षित हुआ है। गत वर्श की 215 लाख युनिट की औसत आपूर्ति की तुलना में इस वर्श 229 लाख यूनिट प्रतिदिन की औसत आपूर्ति रही। उपलब्ध्य ऊर्जा का अधिकां ा, अर्थात् लगभग 53 प्रति ात, कृशि–क्षेत्र को दिया गया। राज्य की बढती हुई मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन क्षमता पैदा करने के प्रयास जारी है। पानीपत ताप–बिजली संयंत्र में 210 मैगावाट क्षमता के छठे यूनिट पर तथा 840 मैगावाट क्षमता वाले यमुनानगर ताप–बिजली संयंत्र पर कार्य भ्रुरु किया जा चुका है। हिसार के लिए 250–250 मैगावाट वाले दो ताप–बिजली संयंत्रो के लिए भारत सरकार की अनुमति प्राप्त करने के प्रयास जारी है। पानीपत और फरीदाबाद के ताप–बिजली–संयंत्रो का नववीकरण तथा आधुनिकीकरण किया जा रहा है। मेरी सरकार असार्वजनिक

क्षेत्र को भी ऊर्जा उत्पादन के लिए प्रात्साहित कर रही है। मैसर्ज फरीदाबाद कैप्टिव पावर सिस्टम्ज़ का 100 मैगावाट क्षमा का संयंत्र, मारुति उद्योग गुडगांव का 20 मैगावाट का संयंत्र तथा टोहाना स्थित न्यूक्रम एग्रो बोर्ड का 4 मैगावाट क्षमता का संयंत्र पहले ही अनुमोदित किए जा चुके है। परिशण और वितरण प्रणाली को भी अधिक सुदृढ किया जा रहा है।

18. विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी परिशद् ने जीव प्रौद्योगिकी, ऊर्जा संरक्षण, 'वेस्ट रीसाइकलिंग तथा वेस्ट डिस्पोजल सिस्टम्ज़' और कम लागत की आवास प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राज्य स्तर के चार कार्य दलो का गठन किया है। राज्य के 14 खण्डो, प्रति जिला एक खण्ड में एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यकमभी चलाया जा रहा है। इनमें वर्श 1991–92 में पानीपत और यमुनानगर जिलो के दो खण्डो को भी भामिल कर लिया जाएगा। तीन ऊर्जा ग्रामो की स्थापना की गई है, जिनमें ग्रामवासियो को उन्नत चुल्हे, सौर ऊर्जा वाले कुकर और आव यकताओ को पूरा करने के लिए सौर फोटोवोल्टिक सिस्टम भी प्रदान किए गए है। आठवी पंचवर्शीय योजना के दौरान नौ और गावों को ऊर्जा ग्राम स्कीम के अन्तर्गत लेने का प्रस्ताव है।

19. ग्रामीण क्षेत्रो में गरीबी उन्मूलन तथा रोजगार के अवसर जुटाने वाले विभिन्न कार्यकम चलाए जा रहे है। एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यकम के अन्तर्गत जनवरी, 1991 तक कुल

23363 परिवारो को आर्थिक सहायता दी गई है। इनमें अनुसूचित जातियो के 8605 तथा 9581 महिला लाभानूभोगी भी भामिल है। ग्रामीण युवाओ को विभिन्न कार्यकलाओ में प्रि ाक्षण कार्यक्रम (ट्राइम्स) के अन्तर्गत 2016 ग्रामीण युवको को विभिन्न कार्यकलापो में प्रि ाक्षण दिया गया ताकि वे अपना धन्धा चलाने अथवा मजदूरी वाले कार्य करने के योग्य हो सके। इन में से 696 युवक अनुसूचित जाति के है तथा 1143 महिलाए है। ग्रामीण क्षेत्रो में महिला तथा बाल विकास कार्यक्रम सिरसा, महेन्द्रगढ, सोनीपत, गुडगांव, रेवाडी, भिवानी और रोहतक जिलो में कार्यान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत1091 समूहो का गठन किया जा चुका है। मरु–भूमि विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत, भिवानी, हिसार, सिरसा जिले तथा रोहतक और रेवाडी जिलो के चुनिंदा विकास खण्ड आते है। महेन्द्रगढ और रेवाडी जिलो में सूखाग्रस्त क्षेत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रसे में बेरोजगार और अल्प रोजगार वाले लोगो के लिए लाभकारी रोजगार का सृजन करने के उद्दे य से जवाहर रोजगार योजना चलाई जा रही है जिसके लिए धनरा ि ा केन्द्र और राज्य द्वारा 80:20 के अनुपात में उपलब्ध करवाई जाती है। जनवरी, 1991 तक इंदिरा आवास योजना के तहत 314 मकानो का निर्माण किया गया है। चालू वित्त वर्श में 60000 उन्नत चूल्हो के निर्माण के लिए 44 लाख रुपए का प्रावाधान किया गया है।

सामुदायिक विकास के लिए और भी कई स्कीमे भुरु की गई है जिन के लिए चालू वर्श में 239 लाख रुपएका उपबन्ध किया गया है। आगामी वर्श के लिए 260 लाख रुपए का प्रस्ताव किया गया है। ग्रामीण विकास बोर्ड भी आद र्/फोकल गांव योजना का कियान्वन कर रहा है। इस का उद्दे य विभिन्न सामुदायिक सुविधाओ जैसे कि पंचायत घर, महिला–मंडल और नर्सरी, बच्चो के लिए पार्क, पक्की गलियो आदि की व्यवस्था करना है।

20. एकीकृत आर्थिक विकास को प्रात्साहन देने तथा 20–सूत्रीय कार्यकम और समेकित ग्रामीण विकास कार्यकम के अन्तर्गत वि ेश रुप से किसानो, गरीबो और छोटै उद्यमकर्ताओ को विभिन्न लाभकारी कार्य करने तथा स्व–रोजगार कार्यकम के लिए आव यक ऋण सहायजा प्रदान कराने के लिए हरियाणा में वाणिज्यिक बैंको तथा आवधिक ऋण संस्थाओ से संस्थगत ऋण की सुविधा के क्षेत्र का काफी विस्तार किया गया है। हरियाण में वाणित्यिक और प्रोदे िक ग्रामीण बैंको की (दिसम्बर, 1990 तक) 1255 ाखाओ में से 80 प्रति ात भाखाएं ग्रामीण तथा अर्ध– ाहरी क्षेत्रो में स्थित है। दिसम्बर, 1990 मे राज्य में औसतन प्रति 13000 व्यक्तियो के लिए एक बैक भाखा है जबकि राश्ट्रीय औसत 17000 व्यक्तियो के लिए बैंक की एक भाखा की है।

वार्शिक कार्य योजना 1989–90 के अन्तर्गत बैंको ने मार्च, 1990 के अन्त तक 7.18 लाख लाभानुभोगियो को 733.85 करोड रुपए की रा ि ा वितरित की जबकि उनका लक्ष्य 7.83 लाख अनुभागियो को 718.65 करोड रुपये की रा ि ा वितरित करने का था। वर्श 1990–91 के दौरान विभाग ने हिसार और रोहतक के छःछः सप्ताह के दो गैर–रिहाय ी उद्यम विकास कार्यकम आयोजित किये। एक कार्यकम केवल महिला उद्यमकर्ताओ के लिए आयोजित किया गया था। 15 मार्च, 1991 को समाप्त होने वाले उद्यम विकास कार्यकम में पैंतीस महिला उद्यमकर्ताओ और लगभग 45 विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी स्नातको के भी लाभान्वित होने की सम्भावना है।

कृशि तथा ग्रामीण–कर्जा–राहत स्कीम, 1990 के अन्तर्गत हरियाणा के प्रादे ि ाक ग्रामीण बैंको सहित वाणिज्यिक बैंको द्वारा इस वर्श 2.71 लाख लाभानुभोगियो को 95.56 करोड रुपये की राहत दी गई। सहकारी बैंको ने अब तक 2.98 लाख लाभानुभोगियो को 128.60 करोड रुपए की राहत दी है।

21. राज्य में औद्योगिक विकास की एकसार प्रगति होती रही है, जैसा कि इस तथ्य से स्पश्ट है कि

30 नवम्बर, 1990 तक लघु उद्योग इकाइयों की संख्या 95819 हो गई है जबकि वर्श 1966 में इनकी संख्या 4519 थी। बडे तथा मध्यम पैमाने की औद्योगिक इकाइयो की संख्या 4519

थी। बडे तथा मध्यम पैमाने की औद्योगिक इकाइयो की संख्या भी 162 से बढकर 442 हो गई है। वर्श 1990–91 के दौरान भारत सरकार द्वाा 37 आ ाय–पत्र, 6 औद्योगिक लाइसेंस और 105 पंजीकरण–पत्र प्रदान किए गये है। बडे तथा माध्यम क्षेत्र में, वर्श 1991–92 के दौरान 40 इकाइयां स्थापित हो जाने की सम्भावना है। ग्रामीण सरकार ने जिला जींद और रेवाडी के पिछडे क्षेत्रो के लिए दो विकास केन्द्रो का भी अनुमोदन किया है। पानीपत में एक कंटेनर–फ्रेट–स्टे ान बनाया जा रहा है और सम्भावना है कि मार्च, 1991 तक यह काम भ्ारु कर देगा। हरियाणा वित्त निगम ने चालू वित्त वर्श के दौरान 44.64करोड रुपए की रा ि ा के ऋण स्वीकृत किये है और 24.10 करोड रुपए के ऋणे का वितरण भी किया जा चुका है। हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम ने सार्वजनिक/संयुक्त/सहायता–प्राप्त क्षेत्र के लिए 19 परियोजनाएं स्थापित की हे जिनकी हिस्सा–पूंजी में लगभग 9 करोड रुपये की भागीदारी है। निगम ने 122 करोड रुपए का पूंजी निवे ा और लगभग 4600 लोगो के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने की उत्प्रेरणा भी दी है। निगम ने अंडर राइटिंग/ईक्विटी पार्टिसिपे ान स्कीम के अन्तर्गत राज्य सरकार की ओर से 42 इकाईयो को सहायता दी है। इन इकाइयो से लगभग 10000 व्यक्तियो के लिए रोजगार के अवसर पैदा होगें। राज्य में संयुक्त/सहायता प्राप्त क्षेत्र में 50 करोड रुपये की लागत से 14 इलैक्ट्रोनिक परियोजनाएं स्थापित की गई जिनका कुल टन्रओवर 150 करोड रुपये होने की सम्भावना है। गुडगांव में 40 एकड क्षेत्र

पर इलैक्ट्रनिक सिटी स्थापित किया जा रहा है, जहां इलैक्ट्रनिक्स उद्योग का त्वरित विकास सहज हो जाएगा। संयुक्त राश्ट्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत गुडगांव में प्रिसीजन–टूल रुम स्थपित किया जा रहा है, जिसके लिए 2.5 मिलियन डालर की सहायता उपलब्ध होगी।

22. मेरी सरकार ने उद्योगो के सतत विकास के साथ–साथ श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए भी वि ोश प्रयास किये है। कुल मिलाकर औद्यौगिक भांति कायम रखी गई है तथा प्रबन्धको एवं श्रमिको के पारस्परिक सम्बन्ध मधुर रहे है। सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी दरो में उत्तोतर परि ोधन करने के फलस्वरुप अकु ाल औद्योगिक कामगारो की न्यूनतम मजदूरी 815. 30 रुपए मासिक या 31.40 रुपये प्रतिदिन तथा कृशि कामगारो की न्यूनतम मजदूरी 32.40 रुपये प्रतिदिन हो गई है। मजदूरी की न्यूनतम दरो को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से भी जोडा गया है। कारखाना निरीक्ष्णालय को सदृढ किया गया है तथा नौ प्रमुख जोखिमी कारखानो के लिए आपातकालीन योजनाएं भी तैयार की गई है। हरियाणा सुरक्षा एवं कल्याण नामक अवार्डज देने की योजना भी भ्ारु की गई है। हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड ने भी श्रमिको के कल्याण हेतु कई योजनाएं तैयार की है।

23. राज्य में बेरोजगारी की समस्या ने गम्भीर रुप धारण कर लिया है और यह लोगो के आर्थिक तथा सामाजिक जीवन को प्रभावित कर रही है। मेरी सरकार महसूस करती है कि

इस समस्या का सामना करने के लिए एक–परिवार एक नौकरी की व्यवस्था द्वारा जनता को आर्थिक सुरक्षा तथा सामाजिक न्याय प्रदान करना आव यक है। तदनूसार सरकार ने ऐसे परिवारो का पता लगाने तथा एक परिवार एक नौकरी की व्यवस्था के लिए अर्थोपाय नि चत करने हेंतू सेवानिवृत न्यायमूर्ति गुरमान सिंह की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया है। सरकार ने एक समिति का गठन भी किया है जो इस कार्य में आयोग की सहायता करेगी।

नवम्बर 1990 के अन्त तक, रोजगार कार्यालयो में पंजीकृत 567569 आवेदक अभी रोजगार मिलने की प्रतीक्षा में थे। चूंकि नौकरी पाने के इच्छुक सभी उम्मीदवारो को वेतन वाली नौकरी देना सम्भव नही है अतः उन्हे स्वरोजगार चलाने के लिए प्ररित किया जा रहा है। राज्य में िाक्षित बेरोजगार युवाओ के लिए डीलन िाप/एजेंसियां उपलब्ध कराने की स्कमी बनाई जा रही है। स्नातक, उच्चतर माध्यमिक/वरिश्ठ माध्यमिक तथा दसवीं पास बेरोजगार युवको को कम ाः 100 रुपए, 75 रुपए तथा 50 रुपए मासिक बेरोजगारी भत्ता देने की स्कीम भी जारी है। चालू वर्श के दौरान इस स्कीम पर 2.46 करोड रुपए खर्च होने की सम्भावना है।

नेहरु रोजगार योजना रोजगार कार्यकमो के माध्यम से भाहरी गरीबी समाप्त करने के उद्दे य से चलाई गई है। भाहरी लघु–उद्यम स्कीम के अन्तर्गत वर्श 1989–90 एवं 1990–91 में

484.38 लाख रुपए की अनुमानित लागत पर अभिनिर्धारित भाहरी गरीबो को लाभकारी स्वरोजगार के अवसर जुटाने के लिए 3024 लघु उद्यम स्थापित करने का प्रस्ताव है। वर्श 1989–90 व 1990–91 के दौरान 220.05 लाख रुपए के अनुमानिक लागत पर भाहरी गरीबो के लिए 352080 कार्य–दिवसो के सृजन क प्रस्ताव है। इन्ही वर्शो में 313.12 लाख रुपए की अनुमानित लागत पर 7828 भाहरी गरीबो को आवासीय सुविधा के लिए वित्तीय सहायता देने का भी प्रस्ताव है।

24. राज्य सरकार सामाजिक सेवाओ तथा सामाजिक सुरक्षा की उच्च प्राथमिकता दे रही है। सामाजिक तथा सामूहिक सैक्टर के अन्तर्गत योजना, परिव्यय कुल परिव्यय का 34.6 प्रति ात है। चालू वर्श में 831913 लाभानुभोगियो को उदार वृद्धावस्था पैं ान स्कीम के अन्तर्गत लाया गया है और इस पर 10157.25 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। वर्श 1991–92 के लिए 867000 लाभानुभोगियो के अनुमानित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 10594 लाख रुपये की रा ि ा प्रस्तावित है। इस के अतिरिक्त 33510 विकलांगो, 133167 निराश्रित महिलाओ तथा विधवाओ को भी पैं ान दिए जाने की सम्भावना है जिस पर 1264 लाख रुपए की रा ि ा खर्च की जाएगी।

महिला एवं बाल कल्याण मेरी सरकार के लिए परम महत्व का विशय है। महिला विकास निगम वि ोश रुप से महिलाओ के आर्थिक और सामाजिक विकास की देखरेख करने के

लिए स्थापित किया गया है। हाल ही में निगम की प्राद्यिकृत पूंजी 2 करोड रुपए से बढाकर 5 करोड रुपए करने का निर्णय लिया गया है। समेकित बाल विकास सेवा योजना, सहित विभिन्न स्कीमो के माध्यम से बाल–कल्याण पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी प्रकार अनुसूचित जातियो, पिछडे वर्गो और विमुक्त जातियो के सदस्यो के अलावा कुछ ऐसी वि ोश योजनाएं भी है जो केवल उनके कल्याण के लिए कार्यान्वित की जा रही है। बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर भाताब्दी वर्श मनाने के सिलसिले में राज्य की हरिजन चौपालो को डा0 अम्बेडकर भवन की संज्ञा देने का निर्णय लिया गया है।

न्यायमूर्ति गुरनाम सिंह की अध्यक्षता मे बनाये गए हरियाणा पिछडा वर्ग आयोग, 1990 की सिफारि ाो को मान लेना मेरी सरकार की प्रगति ी नीतियो का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। दस जातियो अर्थात् अहीर, बि नोई, मेव, गुज्जर, जाट,जाठ–सिख, रोड, सैनी, त्यागी तथा राजपूतो को संयूक्त पिछडा कृशि समुदाय वर्ग घोशित किया गया है। इनके श्रेणी 1 व श्रेणी 2 की सरकारी नौकरियो में 26 प्रति ात आरक्षण और श्रेणी 3 व श्रेणी 4 की नौकरियो में 14 प्रति ात तक का आरक्षण प्रदान किया गया है। सरकार ने उच्च वर्गोके आर्थिक दूश्टी से पिछडे परिवारो क लिए भी नौकरियो में 5 प्रति ात आरक्षण किया है। रामगढिया समुदाय को सरकार द्वारा पहले से ही घोशित पिछउे वर्ग की सूची में भाामिल किया गया है। सरकारी नौकरियो में

आरक्षण का उपबन्ध करने के अतिरिक्त नये अभिनिर्धारित वर्गो के लिए व्यावसायिक ि ाक्षण संस्थओ में स्थानो के आरक्षण का भी निर्णय लिया गया है। उन्हे लघु उद्योग स्थपित करने की ओर प्रोत्साहित करने और सहायता प्रदान करने के लिए भी प्रयत्न किये जाएंगे।

25. भूतपूर्व सैनिको द्वारा की गई सेवाओ की कदर करते हुए भूतपूर्व सैनिको तथा उनके परिवारो के पुनर्वास के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाए चलाई जा रही है। 65 वर्श से अधिक आयु के भूतपूर्व सैनिको को वृद्धावस्था पैं ान, भूतपूर्व सैनिको की उन विधवाओ व बच्चो को अतिरिक्त पैं ान, जिन्हे केन्द्रीय सरकार से पैं ान प्राप्त नही होतीः पैराप्लैजिक तथा टैट्राप्लैजिक भूतपूर्व सैनिको को वित्तीय सहायताः नेत्रहीन भूतपूर्व सैनिको कोः युद्धविधवाओ की पुत्रियो एवं अनाथ पूत्रियो को वितिय सहायताः तथा स्वरोजगार के लिए ब्याज की रियायती दरो पर आर्थिक सहायता जैसी कुछ प्रमुख सुविधाएं है जो भूतपूर्व सैनिको अथवा उनके आश्रितो को प्रदान की जा रही है। पैक्सम योजना के अन्तर्गत उन्हे स्वरोजगार के लिए तैयार करने का प्रि ाक्षण भी दिया जाता है। इसके अलावा सैनिक परिवार भवनो द्वारा भूतपूर्व सैनिको की आश्रित पूत्रियो के लिए भी प्रि ाक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे है।

26. 2000 ईस्वी तक सभी के लिए स्वास्थ्य के उद्दे य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने चिकित्सा एवं स्वास्थय

सेवाओ के विस्तार एवं सुधार हेतु वि ोशकर ग्रामीण तथा भाहरी निर्धनो के लिए, सतत प्रयास किये है। वर्तमान वित्त वर्श के अन्त तक राज्य में उप–स्वास्थ्य केन्द्रो, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो तथा सामूदायिक स्वास्थय केन्द्रो का एक व्यापक नेटवर्क स्थापित हो जाएगा। अन्य राश्ट्रीय कार्यक्रम जैसे कि माता एवं ि ा ु देखभाल कार्यक्रम, वि वव्यापक प्रतिरक्षण कार्यक्रम, राश्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, राश्ट्रीय अन्धता नियन्त्रण कार्यक्रम इत्यादि भी राज्य सरकार द्वारा पूरे उत्साह से कियान्वित किये जा रहे है। कारखाना कामगारो तथा उनके परिवार के सदस्यो को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कर्मचारी राज्य बीमा योजना चलाई जा रही है। वैकल्पिक औशधियो के क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पंचकूला में एक वैकल्पिक औशध एवं अनुसंधान संस्थान स्थपित करने का प्रस्ताव है।

27. ि ाक्षा को मानव–संसाधन विकास का अनिवार्य अंग मानते हुए मेरी सरकार ने ि ाक्षा सूविधाओ के विस्तान तथा सुधार हेंतू सतत प्रयास किये है। उच्च/माध्यमिक विद्यालय की सुविधाएं 1.98 किलोमीटर की परिधि में उपलब्ध है, जबकि प्राथमिक विद्यालय एक किलोमीटर की परिधि में ही स्थित है। सरकार चालू वर्श के दौरान 59 प्राथमिक विद्यालय खोलेगी। चालू वर्श के दौरान ही 55 प्राथमिक, 51 माध्यमिक और 60 उच्च विद्यालयो को सत्रोन्नत करके क्रम ाः माध्यमिक, उच्च तथा वरिश्ठ

माध्यमिक बना दिया गया है। अगले वर्श 50 प्राथमिक, 50 माध्यमिक तथा 50 उच्च विद्यालयो को कम ा: माध्यमिक, उच्च तथा वरिश्ठ माध्यमिक तक स्तरोन्नत करने का प्रस्ताव है। स्कूल न जाने वाले बच्चो को आकर्शित करने के विचार से सरकार ने अनुसूचित जातियो और समाज के कमजोर वर्गो के बच्चो को लेखन–सामग्री, मुफ्त वर्दिया, उपस्थिती पुरस्कार जैसे विभिन्न प्रोत्साहन दिये है। घुमन्तु कबीलो के बच्चो को वर्श में 240 दिनो तक एक रुपया प्रति बच्चा प्रतिदिन के हिसाब से उपस्थिती भत्ता देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे वर्श 1990–91 में 20833 बच्चो को लाभ मिलने की सम्भावना है। उच्चतर ि ाक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। महाविद्यालयो में छात्र–संख्या बढ कर अब 123321 हो गई है। वर्श 1990–91 में सिरसा जिले में नाथूसरी चौपटा में एक नया महा–विधालय खोला जा चुका है और 23 महाविद्यालयो में नये विशय भुरु किए गए है।

28. ि ाक्षित युवाओ को स्वरोजगार के लिए प्र ि ाक्षित करने और उद्योगो को कु ाल तकनीि ायन उपलब्ध करवाने के लिए सरकार 136 औद्याोगिक प्र ि ाक्षण संस्थानो और व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थानो में प्र ि ाक्षण सुविधाएं प्रदान कर रही है। सातवीं पंचवर्शीय योजना में विभिन्न औद्योगिक प्र ि ाक्षण संस्थनो में इलैक्ट्रोनिक्स यान्त्रिकी दस्तकारी की 12 इकाइयां खोली गई। मेवात क्षेत्र में हथीन, नगीना और फिरोजपूर झिरका के प्रत्येक औद्योगिक प्र ि ाक्षण संस्थन में दो दो अतिरिक्त यूनिट खोले

गये। हिसार तथा अम्बाला में कंप्यूटर पाठ्यक्रम चालू किए गए और करना तथा सोनीपत में प्लास्टिक प्रक्रमण पाठयक्रम आरम्भ किये गये। जींद तथा सिरसा में दो नये औद्योगिक प्रि ाक्षण संस्थान (महिला) खोले गए। सातवीं योजना के दौरान, गोहाना तथा महम के औद्योगिक प्रि ाक्षण संस्थानो के तथा 15 व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थानो के भवन मुकम्मल किए गये। आठवी योजना में, वि व बैंक सहायता प्राप्त परियोजना के अन्तर्गत, 17 औद्योगिक प्रि ाक्षण संस्थनो में पुरानी व अप्रचलित म ीनरी के स्थान पर नई म ीनरी लगाई जानी है। पांच नये महिला औद्योगिक प्रि ाक्षण संस्थान खोले जाने है आठवी योजना के दौरान औद्योगिक प्रि ाक्षण संस्थनो के वर्तमान आधारभूत ढांचे का उपयोग करते हुए उन में 600 प्रति ात सीटें बढाई जानी है और 35 नये व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थान खोले जाने है। 1990–91 के दौरान हांसी तथा कुंड स्थित औद्योगिक प्रि ाक्षण संस्थानो के नये भवन मुकम्मल किये गये है। प्रि ाक्षण के स्तर में सुधार लाने तथा इसे उपयोगकर्ता उद्योग की आव यकताओ के अनुरुप बनाने के लिए इंजीनियरी उद्योग संघ से सम्पर्क बनाने का प्रस्ताव है।

सरकार ने वि व बैंक की सहायता से तकनीकी ि ाक्षा का व्यापक रुप से विकास व विस्तार करने तथा उस में सुधार लाने का निर्णय लिया है। राज्य में तकनीकी ि ाक्षा को सदृढ करने के लिए, आठवी पंचवर्शीय योजना में 85 करोड रुपये का

परिव्यय अनुमोदित किया गया है। प्रौद्योगिक के उभरते हुए क्षेत्रो में नये पाठयक्रम जैसे कि कंप्यूटर अभियान्त्रिकी, इलैक्ट्रनिकी तथा संचार अभियांत्रिकी, प्लास्टिक प्रौद्योगिकी, वास्तुकला असिस्टैंटि ाप में डिप्लोमा पाठयक्रम भ्ारु किये जाएंगे ताकि इन क्षेत्रो में राज्य की मानव संसाधन सम्बन्धी आव यकताओ को पूरा किया जा सके। नीलोखेडी बहुतकनीकी में माइक्रोप्रोसैसर प्रोद्योगिकी में उच्च डिप्लोमा पाठयक्रम भ्ारु किया जायेगा। चार नये बहुतकनीकी संस्थान स्थापित किये जाएंगे। ि ाक्षा संकाय में ज्ञान तथा कु ालता को समुन्नत करने के लिए एक सुनियोतित संकाय विकास कार्यक्रम कार्यान्वित किया जाएगा। बहुि ाल्प संस्थानो में कंप्यूटर केन्द्र भ्ामिल करके, उद्योग–संस्थन–सम्पर्क प्रकोश्ठ तथा संसाधनो के उपयोग की जानकारी हेतु प्रकोश्ठ स्थपित करके ि ाक्षण स्तर को अद्यतन बनाया जाएगा।

29. हरियाणा राज्य परिवहन को दे ा के सर्वोत्तम परिवहन उपक्रमो में गिना जाता है। वर्श 1990–91 में 174 नई बसे भ्ामिल की गई है और 180 पुरानी बसो को बदला गया है जबकि भ्ारु में अनुमान 128 नई बसो को भ्ामिल करने और 313 पुरानी बसें बदलने का था। वर्श 1991–92 में लगभग 25 करोड रुपए की लागत से 56 नई बसे बढाने तथा 386 पुरानी बसो को बदलने का प्रस्ताव है। चालू वर्श के दौरान सफीदो, बरवाला, बराडा, कोसली, चीका, मालेखां, और धारुहेडा में आधुनिक बस अडडो का निर्माण्पा किया गया है। बेरी, उकलाना और पई में भी

बस अडडो का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा अनेक नए स्थानो पर बस अडडे बनाने का कार्य भाुरु किया जा रहा है। मण्डल आयोग की रिपोर्ट के विरुद्ध हुए आन्दोलन के दौरान हरियाणा राज्य परिवहन की बसो तथा अन्य सार्वजनिक सम्पतित को काफी हानि पहुंची। परिवहन में व्यवधान के कारण राजस्व में भी कमी आई। फिर भी सरकार परिवहन की सुविधाओ को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्न ील है ताकि यात्रियो को कठिनाई का सामना न करना पडे।

30. राज्य में सडको तथा भवनो के निर्माण एवं देख–रेख की जिम्मेवारी लोक निर्माण विभाग की है। राज्य के कुल 6745 गावो में से 6674 गावो को पक्की सडको से जोडा जा चुका है। वर्शा के कारण क्षतिग्रस्त सडको की मुरम्मत का काम प्रगति पर है। वर्श 1990–91 की वार्शिक योजना में राश्ट्रीय राजमार्गो की देख रेख हेतु 205.70 लाख रुपये का प्रावधान है। इस समय राज्य में 26 पुलो एवं काजवे पर कार्य प्रगति पर है। चालू वित वर्श 1990–91 में राज्य–सडको पर 20 पुलो एवं काजवे पर काम चल रहा है तथा दिसम्बर, 1990 तक 7 पुलो पर कार्य पूरा हो चुका था। वर्श 1991–92 में 12 पुलो एवं काजॅवे पर निर्माण कार्य आरम्भ करने का प्रस्ताव है। भवन निर्माण कार्य हेतू वर्श 1990–91 के प्लान के अन्तर्गत इस विभागा के पास 29.65 करोड रुपये का प्रावधान है। चण्डीगढ तथा पंचकूला में कार्यरत

विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियो के लिए हरियाणा सरकार पंचकूला में 222 मकान और 45 फलैट्स बनवा रही है।

हरियाणा आवास बोर्ड के गठन के बाद 33433 मकानो का निर्माण किया गया है। इनमें से 22888 घर आर्थिक रुप से पिछडे वर्गो तथा निम्न आयभेगी वर्गो को अलाट किये गए। 1990–91 के दौरान आवास बोर्ड लगभग 1800 घरो का निर्माण करेगी जबकि वर्श 1989–90 में केवल 445 घरो का निर्माण हो पाया था। 191–92 के दौरान लगभग 3000 मकानो का निर्माण प्रस्तावित है। राज्य सरकार ग्रामीण तथा निम्न आयभोगी वर्ग आवास एवं मध्यम आयभोगी वर्ग आवास स्कीमो के तहत भी ऋण–सुविधाएं प्रदान कर रही है।

31. मेरी सरकार ने दूरवर्ती गावो में भी लोगो के लिए स्वच्छ पेय जल उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की है। मुझे यह कहते हुए खु ी है कि केवल 85 समस्यामूलक गावों को छोडकर राज्य के भोश सभी समस्यामूलक गावो में नलके के पानी की सुविधा दे दी गई है। मेरी सरकार ने दिसम्बर, 41990 तक सभी गावो को कवर करने के लिए एक समय–बद्ध योजना प्रारम्भ की थी। परन्तु साधनो के अभाव के कारण काम की गति में ि ाथिलता आ गई। उम्मीद है कि अगले विता वर्श में इन बाधाओ पर काबू पा कर लक्ष्य की प्राप्ति कर ली जाएगी। रेवाडी, महेन्द्रगढ, रोहतक, भिवानी, हिसार तथा सिरसा जिलो के दु:साध्य क्षेत्रो में पानी के नए स्त्रोतो का पता चलाने एवं उनके विकास के

लिए तथा चालू स्कीमो को सुदृढ करने व बढाने के लिए एक वि ाल योजना वि ोश केन्द्रीय सहायत हेतु भारत सरकार को प्रस्तुत की गई है। गुडगावं जिले के उन गावों में जहां जल स्त्रोतो में फलयूराइड का आधिक्य पाया गया है डिफल्यूराइडे ान यंत्रो की स्थापना की गई है।

मेरी सरकार का प्रस्ताव है कि अगल वित्त वर्श मे भारत सरकार की सहायता से ग्रामीण स्वच्छता का एक उच्चाकांक्षी कार्यक्रम भारु किया जाए। यमुना नदी पर बसे तीन प्रमुख भाहरो में यमुना एक ान प्लान के अन्तर्गत केन्द्रीय सहायता से मलजल ोधन संयंत्रो पर भी कार्य प्रारम्भ किया जाएगा।

32. बढते हुए उद्योगीकरण, भाहरीकरण तथा कृशि में रसायनो एवं कीटाणुना ाक दवाईयो के प्रयोग के कारण पर्यावरण में होने वाले प्रदूशण के बारे भी मेरी सरकार चिंतित है। राज्य पर्यावरण सुरक्षा परिशद् पर्यावरण को भाुद्ध करने में लगातर निगरानी रख रही है। हरियाणा राज्य प्रदूशण नियंत्रण बोर्ड ने सबसे अधिक प्रदूशण फैलाने वाली 2000 औद्योगिक यूनिटो की पहचान की है, जिन्हे दूशित जल के लिए भाोधक संयंत्र लगाने के लिए कहा जा रहा है। ऐसी भी निर्णय लिया गया है कि जिन औद्योगिक इकाइयो के लगने से पर्यावरण विभाग तथा राज्य प्रदूशण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति लेनी अनिवार्य होगी। राजमार्गों पर तथा गावं या भाहर के नजदीक स्थित पत्थर रोडी तोडने की

म ीनी को दूर हठाने के लिए एक वि ेश योजना बनाई जा रही है।

33. हरियाणा के पर्यटक केन्द्रो की लोकप्रियता को देखते हुए पर्यटको के लिए आवास सुविधाओ में काफी विस्तार किया गया है। कमरो तथा बिस्तरो की संख्या बढकर अब कम ाः 603 व 1269 हो गई है। एक नया पर्यटक केन्द्र बहादुरगढ में चालू किया गया है। इसके अलावा आसाखेडा में मनोरंजक म्यूजिकल फव्वारे लगाए गए है। वर्श 1991–92 के दौरान पर्यटक सुविधाओ के विस्तार के लिए 270 लाख रुपए की रा ि ा निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त केन्द्र सरकार से सहायता मिलने की भी सम्भावना है। दमदमा में एम्यूजमैंट पार्क तथा पंचकूला, नारनौल व राई में नए प्र्यटक केन्द्र खोले जाने प्रस्तावित है। हरियाणा पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित सूरजकुण्ड का ि ाल्प मेला हर वर्श की भांति इस वर्श भी एक फरवरी से पन्द्रह फरवरी तक आयोजित किया गया जिस में दे ा के सुविख्यात ि ाल्पकारो ने अपनी कला का प्रद र्न किया। यह मेला देसी तथा विदे ी पर्यटको को भारी संख्या में आकर्शित करता है जिससे हमारे दे ा की ि ाल्प कलाओ को जीवित रखने तथा ि ाल्पकारो के प्रोत्साहन में बहुत सहायता मिलती है।

34. लोक सम्पर्क विभाग विभिन्न माध्यमो द्वारा विविध विशयो की जानकारी देकर जनता तथा सरकार की सेवा करता रहा है। यह विभाग सरकार की नीतियो तथा कार्यकमो के

प्रका ान के दायित्क को भी निभाता रहा है। पूरे राज्य तथादे ा के अन्या भागो में इसपने अपने प्रका ानो की 8 लाख से अधिक प्रतियां वितरित की। इस विभाग की गतिविधियो की एक उल्लेखनीय वि ोशता यह रही है कि नवम्बर, 1990 में दिल्ली में आयोजित अन्तराश्ट्रीय व्यापार मेले में हरियाणा मण्डल को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

हरियाणा प्रान्त लोक कलाओ का प्राचीन केन्द्र रहा है। लोक कलाओ के उत्थान में प्रयासरत कलाकारो, संगठनो तथा संस्थनो को सरकार द्वारा अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। राज्य की प्राचीनतम लोक कलाओ के पुनरुत्थान की ओर वि ोश ध्यान दिया जाता है। चालू वित्त वर्श में अब तक लगभग 40 कार्यक्रमो का आयोजन किया गया जिन में तैलचित्र कर्म ाला, आसाखेडा में तीज उत्सव, दिल्ली में लोकोत्सव–90, भारत अन्तराश्ट्रीय व्यापार मेला 90 तथा कुरुक्षेत्र में गीता जयन्ती वि ोश उल्लेखनीय है।

35. हरियाणा में खेल–कुद के क्षेत्र में निरन्तर कीर्तिमान स्थापित किये जा रहे है। छोटी उम्र में खेल प्रतिभा को नियमित तौर पर विकसित करने हेतू विभाग द्वारा वर्श 1990–91 में 20 पूर्णतः रिहाय ी खेल विंग खोले गये तथा 2 खेल नर्सरी स्थापित की गई है। इन पर लगीाग 28 लाख रुपया खर्च किया जा रहा है। जिला स्तर पर खेलो को वि ोश प्रोत्साहन देने तथा जागरुकता पैदा करने के लिए विभाग द्वारा प्रति वर्श प्रथम रविवार को खेल–कुद दिवस के रुप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

हिसार में हाकी के लिए एस्ट्रोटर्फ गाए जाने का फैसला किया गया है। इसके अतिरिक्त खेल–कुद सुविधाओ के लिए हिसार में एक बहुउद्दे ीय हाल, कुरुक्षेत्र में एक योगाभ्यास हाल तथा चौटाला गांव में एक खेल स्टेडियम का निर्माण किया गया है। चालू वित्त वर्श 1990–91 मे यमुनानगर में बेडमिण्टन हाल, हिसार में जिम्नेजियम हाल तथा पानीपत में योगाभ्यास हाल का निर्माण कार्य प्रारमी किया गया हे। आगामी वर्श में फुटबाल खेल नर्सरी खोलने की योजना को कार्यरुप दिया जायेगा। जिला स्तर पर विभिन्न खेल स्पर्धाओ का भी आयोजन किया जाएगा।

मैने अपनी सरकार के कार्यकमो तथा अब तक हुई प्रगति का बहुत ही संक्षेप में उल्लेख किया है। इस अधिवे ान के दौरान बजट प्रस्तावो सहित अनेक महत्वपूर्ण विशय आपके विचारार्थ प्रस्तुत किए जाएंगे। मुझे पूर्ण वि वास है कि विचार विम र्ा के समय हरियाणा वासियो का कल्याण एवं समृद्धि आपके ध्यान में सर्वोपरि होगा। मुझे पुरी आ ाा है कि आपका विचार विम र्ा सफल रहेगा तथा राज्य के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। मै आपको अपनी भाुभकामनाएं देता हूं।

Mr. Speaker: Now a minute will make obituary references.

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): माननीय अध्यक्ष महोदय और सम्मानित सदस्यगण, पहले सत्र और इस सत्र के अर्से के बीच कुछ महानुभाव स्वर्ग सिधार गए है जिनमें इस हाउस के कुछ

सदस्य एवं भूतपूर्व सदस्य भी भामिल है। मै उनके लिए औबिचुअरी रैजोल्यू ान पे ा करता हूं।

डा0 मंगल सैन, हरियाणा के भूतपूर्व उप मुख्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व उप मुख्य मंत्री मंगल सेन के 2 दिसम्बर 1990 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भोक प्रकट करता है।

डा0 मंगल सैन का जन्म 27 अक्तूबर 1927 को पि चमी पाकिस्तान के गांव झवेरियां में हुआ। उन्होने 1946 मे अपना सार्वजनिक जीवन राश्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ता के रुप के आरम्भ किया। वह विभिन्न आन्दोलनो तथा सत्याग्रहो के दौरान कई बार जेल गए। वह 1957 ओर 1962 में पंजाब विधान सभा तथा 1967, 1968,1977, 1982 तथा 1987 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1977–79 में मंत्री रहे। वह पुनः 1982 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए लेकिन उन्होने 1985 में राजीव–लोंगोवाल समझौते के विरोध में त्यागपत्र दे दिया। वह 1987 में हरियाणा विधान सभा में लौटे तथा 1989 मे उन्होने उप मुख्य मंत्री के रुप में कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत नेता के भोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी राजेन्द्र सिंह, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री चौधरी राजेन्द्र सिंह के 25 सितम्बर, 1990 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

चौधरी राजेन्द्र सिंह का जन्म 4 अगस्त, 1926 को जिला सोनीपत के गांव विधान में हुआ। वह व्यवसाय से वकील थे। वह 1967 मे स्वास्थय मंत्री तथा 1970–72 में खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रहे। वह 1982 से 1986 तक पुनः मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा एक अनुभवाी विधायक की सेवाओ सें वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री जगन्नाथ राव, भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री जगन्नाथ राव के 30 जनवरी, 1991 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री जगन्नाथ राव का जन्म 10 दिसम्बर, 1909 को हुआ। वह व्यवसाय से वकील थे। वह 1957 से लोक सभा के सदस्य थे। वह 1962–1966 में केन्द्रीय उप मंत्री तथा 1966–1971 में राज्य मंत्री रहे। उन्होने विभिन्न दे ाो की यात्रा की।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ सें वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत नेता के भोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित, संयुक्त राश्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष

यह सदन संयुक्त राश्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित के पहली दिसम्बर, 1990 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भोक प्रकट करता है।

श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित का जन्म 18 अगस्त, 1900 को इलाहबाद में हुआ। उन्होने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रीय भाग लिया तथा कई बार जेल गई। वह 1936–46 में उतर प्रदे ा विधान सभा की सदस्या तथा मंत्री भी रही। वह 1940–42 में अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की अध्यक्ष रही। वह 1947–49 में रुस तथा 1949–52 में अमेरिका की राजदूत रही। वह 1953 में संयुक्त राश्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष बनी। वह 1954–61 में ब्रिटेन की हाई कमी नर तथा स्पेन और जैरे में राजदूत रही। वह 1962–64 में महाराश्ट्र की राज्यपाल रही। वह 1954–63 तथा 1964–68 में लोक सभा की सदस्या रही। उन्होने 1946, 1947, 1948,1949 तथा 1963 में संयुक्त राश्ट्र को जाने वाले भारतीय ि ाश्टमझउल का नेतृत्व किया। उन्होने 1978 में

संयुक्त राश्ट्र के मानवाधिकार आयोग में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्हे भारत तथा विदे ी वि वविद्यालयो द्वारा डॉक्टरेट की 21 मानद उपाधियो से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, प्रसिद्ध कुटनीतिज्ञ तथा एक अनुभवी सांसद की सेवाओ सें वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अन्य व्यक्ति

यह सदन

श्री सव्यसाची मुखर्जी, भारत के मुख्य न्यायाधी ा

श्री प्रफुल्ल चन्द्र सेन, प ि चम बंगाल के भूतपूर्व मुख्य मंत्री

श्री विलियम ए0 संगमा, मेघालय के भूतपूर्व मुख्य मंत्री

श्री भा ि ाकान्त जामोद, संसद सदस्य

चौधरी मुलतान सिंह, संसद सदस्य

श्री वासुदेव महापात्र, संसद सदस्य

श्री सुरेन्द्र मोहन्ती, संसद सदस्य

श्री ई0 फकीर मोहम्मद, संसद सदस्य तथा

श्री राम कुमार वर्मा, विख्यात हिनदी लेखक के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतो के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री फूल सिंह कटारिया, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

स्पीकर साहब, फूल सिंह कटारिया भी पहले झज्जर से हमारे विधायक रहे हैं। अब उनका भी निधन हो गया है। उनका नाम किसी गलती की वजह से इस लिस्ट में भाामिल नही कर सके। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि उनका नाम भी इस लिस्ट में भाामिल कर लिया जाये। उनके दुखद निधान पर यह सदन गहरा भाोक प्रकट करता है तथा उनके परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव है कि सदन की सहमति से भाोक प्रस्ताव के बाद हमारे 2 माननीय विधायक साथी जो अब हमारे बीच में नही रहे है उनके सम्मान में हाउस ऐडजर्न कर दिया जाए और आज का जो बकाया बिजनैस है उसको 4 तारीख को टेक अप कर लिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री सूरज भान(मुलाना–अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने जो भावनाएं यहां जाहिर की है मै अपने आप को उनके साथ जोडता हू। स्वर्गीय डा0 मंगल सैन के वगैर सदन का सारा माहौल सूना लगता है। वे सात बार विधायक बने और 2 बार मंत्री भी रहे। वे बचपन से ही राश्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के साथ जुड गए थे और उसके प्रचारक हो गए। घर बार छोड कर वे दे ा की सेवा में जुट गए। जब दे ा का बंटवारा हुआ तो पंजाब से आए हुए भारणार्थी लोगो के पास गए और उनका हौसला बढाया। उनका राजनैतिक और सामाजिक जीवन में बहुत बडा योगदान रहा है। अध्यक्ष महोदय, वे बहुत स्पश्ट वक्ता थे। जो उनके मन मे होता था वही उनकी जुबान पर रहता था। वे निर्भिक और जुझारु व्यक्ति थे और बहुत ही अच्छे प्र ासक भी थे। अध्यक्ष महोदय, उनकी सेहत ढीली जरुर थी लेकिन उसके बावजूद भी उन्होने अपनी ऐक्टीीटीज में कभी कोई कमी नही आने दी। अयोध्या में सत्याग्रह चल रहा था। पार्टी हाई कमान ने उन्हे कहा कि आपकी सेहत ठीक नही है इसलिए आप आयोध्या मत जाएं क्योंकि वहां पर कोई भी गडबड हो सकती है और किसी का कुछ पता नही चल पाएगा कि आप का स्टेट्स क्या है। सेहत ठीक न होने के बावजूद भी उनसे वहां जाए बगैर नही रहा जा सका और सत्याग्रह मे उन्होने भाग लिया तथा जेल भी गए। वे अनथक नेता और जुझारु व्यक्ति थे। उन्होने दे ा के और प्रदे ा के लिए बहुत कुछ किया। संयुक्त पंजाब के लोगो के लिए कार्य किया और हरियाणा की जनता के लिए भी बहुत कार्य किये।

परमात्मा की जो इच्छा है, उसे कोई टाल नही सकता। अध्यक्ष महोदय, एक दिन सभी को इस दुनिया से जाना ही है यह कुदरत का अटल नियम है। अध्यक्ष महोदय, मेरे मन में एक कसक है और मै उस कसक को इस महान दन के सामने पे ा करना चाहता हूं। उनका दाह–संस्कार हरियाणा सरकार की तरफ से सरकारी सम्मान के साथ होना चाहिए था लेकिन बदकिस्मती से ऐसा नही हुआ। मैने कुछ साथियो से बात की`किन न जाने किस कारण से ऐसा नही हो पाया। वे उप–मुख्य मंत्री रहे थे, स्टेट के माने हुए लैजिस्लेटर थे उनके निधन पर कम से कम स्टेट में एक दिन की छुटटी ही कर दी जाती, लेकिन ऐसा नही हुआ। क्या यह सब इसलिए नही हुआ कि वे विरोधी दल के नेता थे? अध्यक्ष महोदय, इस समय तो सब कुछ एक हो जाता है। आखिर सब ने वहां जाना है मेरे मन मे जो कसक थी मैने उसका इजहार कर दिया है। हमारी पार्लियामैंट मे रिवाज`कि अगर किसी मैम्बर का निधन हो जाता है तो दिन की बाकी कार्यवाही छोड दी जाती है। इस बारे में आज माननीय मुख्य मंत्री जी ने दो विधायको के निधन के कारण बाकी का बिजनैस 4 तारीख पर छोड देने का जो प्रस्ताव किया है मै उसका समर्थन करता हूं और उम्मीद करता हूं कि सारा हाऊस इससे सहमति प्रकट करेगा।

अध्यक्ष महोदय, कुन्दन लाल भाटिया कुछ ज्यादा बुढे भी नही थे। उनकी उम्र करीब 55–56 साल थी। उनका भी आकस्मिक निधन हो गया है। वे बहुत ही जुझारु व्यक्ति थे। मना

करने के बावजूद भी उनके परिवार के सदस्य अयोध्या सत्याग्रह में गए। उनके निधन से फरीदाबाद अनाथ हो गया है क्योंकि वे फरीदाबाद के लिए बहुत लडाई लडते थे। अपने वोटरो के लिए फरीदाबाद के लोगो के हकूको के लिए उन्होने बडी लडाई लडी। मै अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की ओर से उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, यहा पर कुछ और महानुभावो के नाम भी लिए गए है। इनके प्रति भी मै अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। स्वर्गीय श्री कमलापति त्रिपाठी जी के साथ भी मेरा थोडा सम्पर्क रहा है। श्री राजबहादुर तथा श्री जगन्नाथ जी के साथ भी सम्पर्क रहा था। ये कुछ ऐसे दे ाभक्त थे जिनके देहान्त से स्वतंत्रता सेनानियो की एक कडी जो है वह आज हमसे छूटती जा रही है। श्री फूल सिंह कटारिया और बाकी दूसरे महानुभावो के नाम जो इस लिस्ट में लिखे है। मै अपनी तरफ से और अपने संगठन की तरफ से, इन सब लोगो के चरणो में श्रद्धांजलि अर्पित करता हू। धन्यवाद।

श्री बनारसी दास गुप्ता (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, जब भी हम छः महीने के बाद यहां इकट्ठे होते है, सदन में भाोक तो हर दफा प्रस्तुत होता है। हम अपनी संवेदनाए और भाोक भी प्रकट करते है लेकिन इसबार इस सदन पर और सदन के सदस्यो के उपर जो गहरा आधात लगा है, उसके बारे में, मै ऐसा समझता हूं कि आज तक इस सदन के इतिहास में ऐसा नही हुआ। दो तो

सिटिंग एम0 एल0 ए0 चले गए। उनमें डा.0 मंगल सेन जैसे इतने अनुभवी पार्लियामैटेरियन प्र ासक, कार्यकर्ता, बहादुर, लडाकू, जुझारु, किन किन नामो से मै उनको विभूशित करुं वे सर्वगुण सम्पन्न थे। अध्यक्ष महोदय, मेरा ओर उनका बडा लम्बा सम्पर्क रहा है। रोहतक मे तो वह बाद में आये। भारत विभाजन के बाद सबसे पहले वे भिवानी मे आए। भिवानी में वह राश्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का संचालन किया करते थे। हालांकि हमारे और उनके विचारो में भिन्नता थी, मतभेद था लेकिन परस्पर इतना सौहार्द था कि किसी एक दल के या परिवार के व्यक्तियो में भी नही हो सकता। अध्यक्ष महोदय, उन दिनो मै सो ालिस्ट पार्टी मे हाता था। हमारे बडे जलसे हुआ करते थे। डाक्टर साहब उन दिनो राजनीति में नही आए थे। वह आर0 एस0 एस0 का ही काम किया करते थे। लेकिन जब कभी उनको फुसर्त मिलती, मै जब सभाओ में बोलते हुए अपने हाजरीन की तरफ देखता तो डाक्टर साहब कही न कहीं खडे नहर आते थे। जलसा खत्म करने के बाद, मै उनसे कहा करता था, डाक्टर साहब आप खडे रहते हो, आप मंच पर आ जाया करें। वे कहते, नही मै आपकी बात सुनना पसंद करता हूं और खडे होकर ही सुनना पसंद करता हूं। कहने का मतलब है कि उनको जलसो से इतना गहरा लगाव था। अध्यक्ष महोदय, उनके बिना अब यह सदन सूना लग रहा है। इस सदन के अन्दर वे फुलझडियो छोडते थे। उनके कहने का, बात करने का तरीका, उनकी भौली ऐसी अच्छी और रोचक हुआ करती थी कि सभी सदस्य यह देखते रहते थे कि डाक्टर साहब अब क्या

बोलेगे। किस लहजे में बोलेगे। जो बात चौधरी सुरज भान जी ने, जो विपक्ष के नेता है, कही है, वह बिल्कुल सही कही है कि डाक्टर साहब के बिना यह सदन आज सूना सूना मालूम हो रहा है। वह रौनक ही नही रही है। वह रौनक उठ गयी है। अध्यक्ष महोदय, हम प्राणी कुछ कर नही सकते। हानि–लाभ जीवन–मरण य ा अपय ा विधि के हाथ में है। हम तो केवल खेद प्रकट कर सकते है। हम तो एसे वक्त में केवल अफसोस ही प्रकट कर सकते है, जो हम कर रहे है।

डाक्टर साहब के अलावा, मेरा सबसे गहरा सम्बन्ध जिस व्यक्ति से रहा है, वह चौधरी दल सिंह से था। हम दोनो ही एक राज्य से थै मै भी जींद राज्य का रहने वाला थ वे भी जींद के थे। स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व, 1942 के भारत छोडो आन्दोलन में जेलो से रिहा होने के बाद जब हम सारे जींद का दौरा कर रहे थे, तब हम उनके गांव रामराय मे पहुंचे। ये मिल्टरी से रिटायर होकर आये ही थे। हमारी बातो से इतना प्रभावित हुए कि हमारी पद यात्रा में उसी रोज से भाामिल हो गये और हमारे कन्धे से कन्धा मिलाकर रजवाडा ाही के खिलाफ लडते रहे। अगले साल ही उनका हौसला और कारगुजारी को देखते हुए हमने उनको जींद प्रजा मंड का अध्यक्ष बना दिया और उसके बाद जीवन पर्यन्त वे राजनीति के क्षेत्र में रहे। वे विधायक भी बने और मंत्री भी बने। उनके अन्दर बहुत अधिक सेवा भावना थी। वे बहुत निडर और बहादुर थे।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी राजेन्द्र सिंह के साथ सदन में बैठने का मुझे अवसर मिला। वे बडे बुद्धिमान थे और पे ो से वकील थे। उनके घराने के अन्दर ही राजनीति थी। उनके पिता चौधरी चरण सिंह स्वतंत्रता सेनानी थे और उनके चाचा चौधरी लहरी सिंह संयुक्त पंजाब में मंत्री थे। वे बहुत योग्य मंत्री थे। उनका सारा परिवार राजनीति मे था। अध्यक्ष महोदय, इस प्रदे ा के प्रति तथा पंजाब के प्रति उनकी सेवाए ऐसी है जो अविस्मरणीय है तथा उनको कभी भुलाया नही जा सकता।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी फूल सिंह कटारिया हमारे साथ 1972 से 1977 तक विधायक रहे। वे हरिजन नेता थे और बडे अच्छे कार्यकर्ता थे। उनके बिछुडने का मुझे बडा दुख है।

श्री कुन्दन लाल भाटिया भी हमारे साथ विधायक रहे। अभी छः महीने पहले जो अधिवे ान हुआ था उसमें वे हमारे साथ बैठते थे। उस समय क्या पता था कि वे इतनी जल्दी दुर्घटना का ि ाकार हो जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, वे बहुत बहादुर आदमी थे। हम उनको पठान कहा करते थे क्योंकि वे बन्नू के इलाके से आये थे। वे जहां भिड जाते थे, पीछे नही हटते थे चाहे उनको फिर हिमालय से ही टकराना पडे। फरीदाबाद की जनता हमे ाा उनको याद रखेगी।

अध्यक्ष महोदय, इस सूची में जिन महान हस्तियो के नाम है उनमें श्री कमलापति त्रिपाठी का नाम भी आया है। वे एक

बुजुर्ग नेता थे। राजनैतिक क्षेत्र में उनका कितना सम्मान था इसका वर्णन नही किया जा सकता। दे ा के प्रति उनकी कितनी कुर्बानियां है अगर उनका मै वर्णन करने लगू तो पूरी पूस्तक बन सकती है। अध्यक्ष महोदय, श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित का भारतीय राजनीति में अग्रणी स्थान रहा है। ब्रिटि ा साम्राज्यवाद की सारे संसार में जिस समय तूती बोलती थी उस समय श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित बिना किसी पद पर होते हुए विदे ाो में निकल गई और वहां जाकर ब्रिटि ा साम्राज्य के खिलाफ उन्होने तहलका मचा दिया। भारत की आजादी की मांग को लेकर विदे ाो के अंदर उन्होने ब्रिटि ा साम्रात्यवाद का भांडा फोड दिया। उनका भारतीय राजनीति में बडा भारी सम्मान था। स्वाधिनता प्राप्ति के प चात् वे बडे जिम्मेवार पदो पर रहीं। अध्यक्ष महोदय, वि व कीये पहली महिला थी जिनको कि राश्ट्र संघ के प्रैजीडैन्ट के पद पर आसीन होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ऐसी महान हस्त्यि के चले जाने से हम उनके नेत्त्व से, उनकी बुद्धि कौ ाल से और उनके मार्गद र्ान से वंचित हो गए है।

अध्यक्ष महोदय, विलियम संगमा के साथ मिलने का सौभाग्य मुझे उस समय प्राप्त हुआ जब मेघालय अलग प्रान्त बना था। वे मेघालय के सब से पहले मुख्य मंत्री थे। वे रिटायर्ड जनरल थे। उस समय पहाडी क्षेत्र मे जो बगावतें हो रही थी उन पर उन्होने बडी कु ालता से काबू पाया। अध्यक्ष महोदय, इस सूची मे ंजितनी महान हस्तियो का जिक्र आया है उनके चले जाने

का मुझे बहुत दुख है। ये सभी महान हस्तियां स्वतंत्रता सेनानी थी, वे बडे अच्छे राजनैतिा नेता थे और बडे अच्छे प्र ाासक थे। ये सभी हमसे बिछुड गए है। सदन के नेता ने और विपक्ष के नेता ने इन दिवंगत आत्माओ के प्रति जो भावना व्यक्त की है, मै अपने आपको और अपनी पार्टी को उन भावनाओ से जोडता हूं और अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की ओर से उन दिवंगत आत्माओ को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा उनके परिवारो के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वह उनको भाांति प्रदान करें।

श्री औम प्रका ा चौटाला (दडबा कलां): अध्यक्ष महोदय, प्रकुति का नियम है कि संसार में जो भी आता है उसे जाना ही पडता है लेकिन कई दफा कुछ ऐसे व्यक्ति आकस्मिक चले जाते है जिनके खला को पूरा करने में बडी मु कल आती है और आज कुछ ऐसे ही महानुभावो के प्रति इस हाउस के नेता की ओर से भाोक प्रस्ताव रखा गया है जो इस हाउस के सम्मानित सदस्य ही नही रहे बल्कि जिन का सारा जीवन बडा संघर्शमय रहा है। डाक्टर मंगल सैन जी, जो अब इस संसार में नही है, इस हाउस में बडे लम्बे अर्से तक सदस्य रहे है। केवल विधान सभा सदस्य के तौर पर ही नही, एक राजनीतिक नेता के तौर पर तथा एक सच्चे समाज सुधारक के रुप में भी रचनात्मक कार्यो में उनकी वि ोश रुचि रही है। हमारा उनके साथ बडा पारिवारिक संबंध रहा है। चाहे हम वैचारिक रुप से एक दूसरे से अलग रह हो

लेकिन विचारो से भिन्नता होने के कारण भी उनके मन में कभी भी किसी प्रकार की कोई कटुता नही आई। राजनीतिक क्षेत्र में जब कभी भी प्रदे ा के हितो में आंच आयी, डाक्टर साहब सदा ही प्रदे ा के हितो के लिए संघर्शमय रहे और सब से आगे अग्रणी के रुप में आये। इस हरियाणा प्रदे ा का मान सम्मान बढाने के लिए उन्होने सदा ही दिन से पूरा प्रयास किया है। स्पीकर साहब, बतौर इन्सान वे बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे। हरेक के दुक्ष सुख में वे सदा ही भागीदार रहे। बहुत दुख महसूस हो रहा है कि आज वे इस सै ान में हमारे बीच में नही है। संघर्श के किसी मामले में जब कभी भी हम जुझेगें, डाक्टर साहब की कमी हमें सदा ही महसूस होगी, वे हमें सदाही याद आते रहेंगे। परमात्मा उनका आत्मा को भांति प्रदान करें।

इसी प्रकार हमारे इस सम्मानित सदन के एक और माननीय सदस्य चौधरी दलसिंह भी थे। वे बहुत जुझारु आदमी थे। दे ा की जंगे आजादी के मामले में, आई0 एन0 ए0 के सैनिक के रुप में दे ा की सेवाएं करते रहे। राजनीतिक क्षेत्र में हर मौके पर और वि ोश रुप से जब हरियाणा प्रदे ा बनने जा रहा था तो उन्होने इस मामले में अपनी भूमिका निभाई। वे एक कर्मठ कार्यकर्ता थे। बतौर मंत्री उन्होने इस प्रदे ा की सच्चे अर्थो में सेवा की। स्पीकर साहब, मै सदन में नेता की तरफ से रखे गये इस प्रस्ताव पर उनकी मृत्यू पर दुःख व्यक्त करता हूं।

हमारे इस हाउस के एक और माननीय सदस्य श्री राजेन्द्र सिंह थे। वे चौधरी चरण सिंह जी के सुपुत्र थे जिनका जंगे आजादी के मामले में बडा योगदान रहा है। उनके चाचा चौधरी लहरी सिंह इस प्रदे ा के उस वक्त के सिंचाई मंत्री थे और वि ोश रुप से मै यह कहूंगा कि दीन बनु सर छोटू राम जी ने जंगे आजादी से पहले भांखडा नंगल की जो स्कीम बनायी थी, उस स्कीम को चौधरी लहरी सिंह जी ने कार्यान्वित किया। इनको लोग लहरी सिंह की बजाये नहरी सिंह कहा करते थे। चौधरी राजेन्द्र सिंह जी इसी परिवार से संबंधित थे। चौधरी राजेन्द्र सिंह जी ने उनके जीवन से बहुत कुछ सीखा था। इनके जीवन पर उनका इतना प्रभाव पडा जिसके कारण से उन्होने राजनीतिक क्षेत्र में वि ोश रुप से जन हित के कार्यो में बहुत रुचि दिखायी। उनके निधन पर हमें बडा दुख है।

इसी तरह से, स्पीकर साहब, हमारे एक और साथी श्री कुन्दन लाल जी भाटिया का भी अकस्मात निधन हो गया। ज्यों ही हमस दन में दाखिल हुए, तो उनको यहां सदन में न देखकर हमें ऐसा हमसूस हुआ कि हमारे एक बहुत अच्छे साथी हमसे बिछुड गये है। इस खला को पूरा करने में हमें बडी दिक्कत पे ा आएगी। परमात्मा उनकी आत्मा को भांति प्रदान करे।

16:00 बजे

स्वर्गीय श्री कमलापति त्रिपाठी हमारे दे ा के एक बहुत बडे राज नेता रहे और वे जंगे आजादी के महान नेता थे। जंगे आजादी मे लडने वाले लोगो की जब गिनती की जाती थी तो लिस्ट में उनका नाम सब से पहले आता था। जहां उन्होने दे ा की आजादी के लिए लडाई लडी वहां दे ा के निर्माण में भी उनकी एक अहम भूमिका रही है। वे अच्छे अच्छे पदो पर आसीन रहे और उन्होने दे ा हित और जन हित कार्यो में रुचि दिखाई। रचनात्मक कार्यो में उनकी वि ोश रुचि रहती थी। सत्ता पार्टी मे होते हुए भी यदि पार्टी की तरफ से कोई गलत बात की जाती थी तो वे बे–धडक हो कर उसकी आलोचना करते थे और किसी प्रकार का संकोच नही दिखाया करते थे। आज वे इस संसार में नही है, हम उनके निधन पर दुःख प्रकट करते है। परमात्मा उनकी आत्मा को भांति प्रदान करें।

श्री राज बहादुर केन्द्र के भूतपूर्व मंत्री रहे है। जंगे आजादी के बाद जब भारतवर्श का नए सिरे से निर्माण होना था तो उन्होने गांधी जी के जीवन से प्रेरणा हासिल करके पंडित जवाहर लाल नेहरु के साथ रह कर दे ा के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। वे बहुत अच्छे पार्लियामैटेरियन थे और अच्छे ऐडमिनिस्ट्रेटर थे मुझे उनके द र्ान करने का कई बार मौका मिला था। आज वे हमारे बीच में नही है। उनके निधन पर भी यह सदन अपना दुःख व्यक्त करता है, परमात्मा उनकी आत्मा को भांति प्रदान करे।

श्री जगन नाथ राव जी भी केन्द्र में राज्य मंत्री रहे। उनकी भी जंगे आतादी में जहां भूमिका रही वहां दे ा के निर्माण में भी उनका पूरा योगदान रहा। आज वे इस संसार में नही है। हम उनके निधन पर भी अपना भाोक व्यक्त करते है।

श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित के सारे खानदान का दे ा की जंगे आजादी में वि ोश योगदान रहा। यू0 एन0 ओ0 के अध्यक्ष पद पर कार्य करके उन्होने वि व भर में ख्याति प्राप्त की। इस पद पर कार्य करने वाली वे पहली महिला थी। उनकी वजह से भारत दे ा का बहुत सम्मान बढा था। जैसे श्री बनारसी दास जी ने बताया उन्हे अपनी बात कहने में किसी प्रकार की झिझक महसूस नही हुआ करती थी। जंगे आजादी की लडाई लडने वाले जो लोग थे, दे ा के प्रति उनके मन में कूट कूट कर भावना भरी हुई थी। उनको किसी प्रकार का लालच नही था। आहिस्ता आहिस्ता इस प्रकार के लोग हमसे बिछुड कर जा रहे है। दे ा के हर व्यक्ति को ऐसे लोगो के निधन पर दुख है। यह हाउस श्रीमती पंडित के निधन पर भी गहरा भाोक प्रकट करता है।

इसी प्रकार से श्री फूल सिंह कटारिया जो इस हाउस के सदस्य रहे है, उनके निधन पर भी हमें दु:ख है। वे एक गरीब परिवार में पैदा हुए थे। राजनैतिक क्षेत्र में आने से पहले उन्होने दीन हीन लोगो की सेवा करके सामाजिक क्षेत्र में बहुत बडा कार्य किया और इस क्षेत्र में अपनी छाप छोडी थी। जब कभी भी हमें उनके क्षेत्र में जाने का मौका मिलता है तो हमें उनकी याद आती

है। जिसने भी उनको नजदीक से देखा है, उसको उनके निधन से बहुत दुःख है।

श्री साव्यसाची मुखर्जी, भारत के मुख्य न्यायधी ा रहे। इस तरह की महान विभूतियो ने अपनी तरफ से न्याय की स्पर्धा में दे ा के भविश्य को उज्जवल बनाने की कोि ा ा की है। परमात्मा उनकी आत्मा को भांति दे। श्री प्रफूल्ल चन्द्र सेन, पि चम बंगाल के मुख्य मंत्री रहे। श्री सेन ने राजनीतिक तौर पर नही बल्कि सामाजिक तौर पर गांधी जी के जीवन से बहुत कुछ सीखा था। इसलिए एक सामाजिक कार्यकर्ता होने के नाते बंगाल के क्षेत्र में उन्हे लोग एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर ज्यादा याद करते है बनिस्बत मुख्य मंत्री के। इस प्रकार के व्यक्ति के निधन से दे ा के लोगो को एक बहुत बडी कमी महसूस होती है। परमात्मा उनकी आत्मा को भांति दे। कैप्टन विलियम ए0 संगमा, मेघालय के मुख्य मंत्री रहे। उनके निधन से भी मुझे बहुत दुख है। परमात्मा उनकी आत्मा को भांति दे। श्री भाि ाकान्त जामोद संसद सदस्य रहे। उनके निधन से भी मुझे बडा अफसोस है। चौधरी मुल्तान सिंह भी संसद सदस्य रहे और इसी लोक सभा के सीटींग सदस्य थे। हमें उनकी आकस्मिक मौत का वि ोश रुप से इसलिए ज्यादा दुःख है क्योंकि उनका निधन हरियाणा जनसभा को संबोधित करते हुए हुआ था। वि ोश रुप से एसे मौके पर एक व्यक्ति जिसने राजनैतिक तौर पर बहुत लम्बी लडाईयां लडी हो और जिनका कार्य क्षेत्रकेवल उनका अपना चुनाव क्षेत्र तक ही

सीमित न रहा हो बल्कि चाहे वह उतर प्रदे ा के किसी हलके से चुनाव जीत कर आए हो उनका हरियाणा प्रदे ा में भी बहुत प्रभाव रहा है। जब कभी चुनाव के मौके आते थे तो उस दौरान मुझे उनका साथ बहुत लम्बे समय तक रहते का मौका मिला है। वह बहुत बहादुरी के साथ काम करने वाले व्यक्ति थे। उनका जिस प्रकार से हरियाणा की धरती पर आकस्मिक निधन हुआ उससे मुझे बडा दुःख है। परमात्मा उनकी आत्मा को भाांति दे। इसी तरह से वासुदेव महापात्र, श्री सुरेन्द्र मोहन्ती और श्री ई0 फकीर मोहम्मद संसद सदस्य रहे। उनके निधन से भी मुझे दुख है। परमात्मा उनकी आत्मा को भाांति प्रदान करे। श्री राम कूमार वर्मा विख्यात हिन्दी लेखक थे। उनकी कलम से हमारे दे ा के लोगो ने बहुत कुछ सीखा है। उनकी कलम में बहुत ताकम थी। उन्होने अपनी लेखनी से दे ा के लोगो को बहुत अच्छा रास्ता दिखाया। आज इस प्रकार के साथी हमारे बीच में नही रहे। उनके निधन से मुझे बहुत दुःख है। इन भाब्दो के साथ मै सदन के नेताकी तरफ से जो भाोक प्रस्ताव रखा गया है उन सभी महान विभूतियो को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

श्री राम विलास भार्मा (महेन्द्रगढ): अध्यक्ष महोदय, बडी विचित्र स्थिती है कि जिस आदमी ने हमें राजनैतिक प्रि ाक्षण दिया वह आज इस सदन में नही है। इस सदन के नेता आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी हुकम सिंह जी ने जो भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है उसमें सबसे पहला नाम हमारे नेता डाक्टर मंगल सेन जी

का है। उनके निधन से ऐसा लगताहै कि आज इस सदन की आत्मा ही गायब है। आज यह सदन बेरुह लगता है। डाक्टर साहब ने सारी जिन्दगी निस्वार्थ भाव से सेवा की। भगवान कृश्ण ने गीता में कहा है कि निश्काम सेवा साधन है मोक्ष प्राप्ति का। हम भारतीय जनता पार्टी के लोगो का यह सौभाग्य रहा है कि हमें डा0 मंगल सैन जी का मार्ग द र्ान मिला। जब 2 दिसम्बर को रोहतक में डाक्टर मंगल सैन जी के भारीर का दाह संस्कार हुआ उस समय मुझे उस कवि की वह पंक्ति याद आई जिसमें यह लिखा है कि ऐसी करनी कर चल तू हंसे जग रोए। उस समय हजारो आखें नम थी। अध्यक्ष महोदय, इस सदन के विपक्ष के नेता ने कहा है कि यह अच्छा होता यदि उनको सरकारी सम्मान दिया जाता। अध्यक्ष महोदय, इस धरती पर असली सम्मान वह होता है जो लोगो की तरफ से दिया जाता है। यह बात ठीक है कि डा0 मंगल सैन जी का दाह संस्कार किसी सरकारी सम्मान का मोहताम नही था। यदि उनका दाह संस्कार सरकारी सम्मान के साथ किया गया होता तो उससे सरकार की ही प्रतिश्ठा बढती और लोगो की संवेदना सरकार के साथ जुडती। वे ऐसे निर्भिक नेता थे जिन्होने सारे जीवन में अपने पडौस में भय नही बैठने दिया। अध्यक्ष महोदय, वे व्यक्ति नही एक संस्था थे। वे प्रेरणा की एक जीती जागती मिसाल थे। उन्होने कभी भी व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए अपने चुनाव क्षेत्र के स्वार्थ के लिए अपनी राजनीतिक विचारधारा और राजनैतिक दल के साथ दगा नही किया। राजनीति में एसे अवसर बहुत से आते है जब आदमी के सामने दुविधा की स्थिती

आ खडी होती है। अध्यक्ष महोदय, आदमी वही सही आदमी होता है तो अपने स्टैण्ड पर कायम रहे। इस मामले में डा0 साहब बडे धन्यवाद के पात्र है कि जिन्होने हमे ाा अपने विचारो को वरिश्टतादी और अपने दल को वरिश्ठता दी। हरियाणा के हितो के लिएवे सबसे आगे रहते थे। जब कभी हरियाणा के हितो की लडाई की बात आई तो वे पहली पंक्ति में सबसे आगे होते थे। कभी भी पुलिस की लाठियां उनके मन की अग्नि का सामना नही कर सकी। सरकारी दमन उनके विचारो को कभी हिला नही सका। पब्लिक अंडर टेकिंग्ज कमेटी में मुझे उनके साथ एक सदस्य के रुप में काम करने का मौका मिला था। वे इस कमेटी के चेयरमैन थे। 30 अकतुबर का दिन हिन्दुस्तान की राजनीति में एक काला दिन रहा है। उन दिनो आयोध्या में व दूसरी जगहो पर कफर्यू लगा हुआ था। वे कफर्यू के बावजूद आयोध्या जाना चाहते थे लेकिन उनको लखनऊ में गिरफ्तार कर लिया गया। इतनी हिम्मत भी उन्होने उस समय की जबकि उनको दो पैरेलाइसिज के अटैक हो चुके थे और इसके अलावा वे भाूगर के भी मरीज थे। हमारी पब्लिक अंडर टेकिंग्ज कमेटी का दूसरे प्रदे ाो मे जाने का कार्यकम बन चुका था और सभी साथी जाना भी चाहते थे। लेकिन डा0 साहब ने कहा कि पहले अयोध्या चलेगे उसके बाद दौरे पर जांएगे। हमने उनको कह कि आप अयोध्या न जाएं हम चले जाएंगे क्योकि आपकी तबीयत ठीक नही है। वे बडी गहराई के साथ एक बात कहते थे–

मसरत पर रिवाजो का सख्त पहरा है,

न जाने यह दिन किस उम्मीद पर ठहरा है।

तेरी आंख में छलकते इस गम की कसम,

ए दोस्त दर्द का रि ता बहुत गहरा है।

अध्यक्ष महोदय, पता नही वे किस उद्दे य के लिए जिंदा थे। उनमें प्रेरणा तो इतनी थी कि वे कभी थकने का नाम नही लेते थे। वे सारा जीवन अविवाहित रहे। अध्यक्ष महोदय, आज 50 प्रति ात समस्याएं हिन्दुस्तान में परिवार के कारण है। भायद उन्होने यह सोच कर भादी न की हो कि कभी कोई दुर्योधन उनका नाम धृतराश्ट्र न रखवा दें। वे मंत्री भी रहे और विधायक भी रहे है। उनका नाम हरियाणा की राजनीति में बहुत उंचा रहा है। इसके बावजूद भी, वे एक किराये के मकान मे आये थे और अपना पार्थिव भारीर भी एक किराये के मकान में छोड कर गए है। अध्यक्ष महोदय, वे जब तक जिंदा रह अपने उद्दे यो के लिए ही जिंदा रहे। उनका राजनीतिक जीवन बडा लम्बा था। उनका जीवन हरियाणा की राजनीति में इतना प्रेरणा दायक था कि वे सदन की रुहे रवां थे। इस सदन का जो रिकार्ड मैने देखा है उसमें 50 फिसदी योगदान डा0 मंगल सेन का और बाकी का 50 फिसदी योगदान बाकी के सदस्यो का रहा है। चाहे वह किसी प्रकार की समस्या हो या गरीबो की लडाई हो, डा0 साहब सबसे आगे रहा करते थे। जब डबवाली में आतंकवादियो ने 13 व्यक्तियो की हत्या

कर दी तो घटनास्थन पर सबसे पहले पहुंचने वाले डा0 मंगल सैन थे। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि हमारी विचारधारा के लोगो को पंजाब तथा हरियाणा में बहुत बडी कुर्बानियां देनी पड रही है लेकिन उनके मन में इसबात का थोडा सा भी विचार नही आया कि वहां खतरा हो सकता है, ऐसे उंचे कद के नेता थे डा0 मंगल सेन। अध्यक्ष महोदय, आज इस सदन में उनको श्रद्धांजलि देते हुए हम भारतीय जनता पार्टी के परिवार के लोग खुद को एकदम लावारिस महसूस कर रहे है। उनके निधन के दिन भी हमने रोहतक में खुद को लावारिस महसूस किया। वे पूरे हरियाणा की रुह थे। उनके निधन से हरियाणा के गरीबो का एक मार्गद र्क उठ गया है। आज उस महान विभूति को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मै भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भगवान हमें ऐसी भाक्ति प्रदान करना कि हम उनके पदचिन्हो पर चल सके। हम लोग डा0 मंगल सेन का राजनैतिक खानदान है, हम उनकी राजनैतिक सन्तान है। अध्यक्ष महोदय, आज हमें यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि वे एक ऐसे नेता थे जिनकी चादर पर कोई दाग नही, जिनके माथे पर कोई ि ाकन नही। भगवान हमको भांति प्रदान करना कि हम डा0 मंगल सेन के आद र्ो पर चल सके। अध्यक्ष महोदय, डा0 मंगल सेन हरियाणा के महान नेता थे और मै आदरणीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करुंगा कि उनकी यादगार हरियाणा में जरुर रहनी चाहिए। इस बारे में मै यह निवेदन करुंगा कि मैडिकल कालेज, रोहतक का नाम डा0 मंगल सैन के नाम पर रख दिया जाए। मैडिकल कालेज रोहतक का नाम उनके नाम पर

रख देने से डा0 मंगल सेन जी की आत्मा को तो कोई फर्क नही पडेगा मगर इससे उनके अनुयायियो को जरुर फर्क पडेगा।

अध्यक्ष महोदय, कुन्दन लाल भाटिया जी का भी निधन हो गया है। वे बहुत ही जुझारु विधायक थे। कई बार हम उनको पार्टी के अनु ाासन में बांधने की कोि ा ा करते थे लेकिन फरीदाबाद की जब कोई बात आती थी या फरीदाबाद में तोड–फोड की कोई बात होती तो वे फरीदाबादके लोगो के हक की लडाई लडे बिना नही रहते थे। वे बहुत ही बहादुर ओर निडर नेता थे। मै उनको अपनी ओर से पार्टी की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी दल सिंह जी के साथ हम ऐमरजैंसी के काले काल में रोहतक जेल में रहे थें। चौधरी दल सिंह जी सेना से आये थे और ऐमरजैंसी का विरोध करने के कारण जेल में भी रहे। उन दिनो हमारे साथ पुलिस द्वारा कुछ ज्यादती होती थी। हरियाणा के कई नेता जेल में हमारे साथ थे। चौधरी दल सिंह हमे कन्फाईनमैंट के समय कोठरी में मिलने आया करते थे और बडी प्रेरणा दिया करते थे। वे देहाती संस्कारो में पले थे ओर हरियाणा की राजनीति में बडे लम्बे समय तक रहे। उनके निधन पर मै उन्हे अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के साथ संवेदना प्रकट करता हूं।

पण्डित कमलापति त्रिपाठी कांग्रेस की राजनीति के युगपुरुश रहे। उनकी खासियत यह रही कि वे एक ही परिवार से जीवन भर जुडे रहे और मतभेद होते हुए भी उससे अलग नही हुए। आदरणीय श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित ने ऐमरजैंसी के खिलाफ जो लोग उस काले कानून का विरोध कर रहे थे उनकी बडी सहायता की और ऐमरजैंसी का विरोध किया। श्रीमति इंदिरा गांधी की करीबी रि तेदार होते हुए भी काले कानून का विरोध करने में वे सबसे आगे रही। हरियाणा के गांव गांव में जाकर अलख जगाकर पंजातंत्र को खतरे से बचाया। श्रीमती विजय लक्ष्मी पण्डित का यह बलिदान हिन्दुस्तान कभी भूलेगा नही। मै अपने दल की तरफ से उनको संवेदना ओर श्रद्धांजलि अर्पित करता हू। सदन के नेता ने बाकी जिन नामो की चर्चा की है, उनमें श्री राम कुमार वर्मा, प्रख्यात हिन्दी के लेखक भी भाामिल है। लेखक बेचारा ऐसा होता है कि उसका योगदान साहित्य के माध्यम से सामाजिक जीवन में बहुत बडा होता है। राम कुमार वर्मा जी की रचनाएं मैने बडी गहराई से पढी है। उन्होने अपने लेखन में ईमानदारी बरती, निर्भिकता बरती। दरबारी साहित्य कभी भी नही लिखा। इस सदन के माध्यम से मै उनके परिवार के साथ संवेदना प्रकट करता हूं और इन भाब्दो के साथ मै अपने आपको इस भाोक प्रस्ताव में भाामिल करता हूं।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह (मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय, यह सदन छः महीने के अन्तराल के बाद मिलता है और

पूर्व परम्परा के मुताबिक इस बीच जो हमसे महान विभूतियां बिछुड जाती है, उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करने की एक परम्परा है। उस परम्परा का वहन करते हुए आदरणी मंत्री जी ने एक लिस्ट रखी है और उन महान विभूतियो को जो हमसे बिछुड गयी है, श्रद्धांजलि दी है। अध्यक्ष महोदय, मुझ से पूर्व साथियो ने बोलते हुए आज के माहौल को काफी गमगीन बना दिया है। स्वाभाविक भी है। लिस्ट से पता चलता है कि इसमे सब तरह के लोग भाामिल है। समाज सुधारक भी रहे है, लेखक भी रहे है, स्वतंत्रता सेनानी भी रहे है और बहुत से ऐसे राजनेता है जिन्होने इस दे ा की ही नही बल्कि प्रदे ा की भी विभिन्न क्षेत्रो में सेवा की है जिसको भुलाया नही जा सकता। इस माहौल को गमगीन करने का सबसे बडा कारण एक और भी है। तकरीबन 9 साल मुझे मैम्बर होते हुए होने जा रहे है लेकिन यह पहला मौका इस अर्से में आया है जब हमारे बीच से हमारे दो साथी और उमें से एक ऐसे साथी जो हर दिल अजीज थे, उठ गये है और जब तक हरियाणा प्रदे ा का इतिहास और यह सदन रहेगा तथा जब जब यह सदन मिलेगा, उन साथियो की याद ताजा होती रहेगी। अध्यक्ष महोदय, वैसे तो प्रकृतिका नियम है, विधान है कि जो आया है उसने जाना है ओर यह तोडा नही जा सकता, टाला नही जा सकता। उत्थान और पतन जीवन और मरण, यह एक ऐसा सत्य है जिसे कडवा सत्य कहा जाता है। भगवान कृश्ण ने मृत्यु को सत्य से मिलन कहा है। वे कहते है कि मृत्यु के बाद आत्मा का सत्य से मिलना होता है। अध्यक्ष महोदय, जब भगवान कृश्ण जैसे महायोगी ने, जिसे हम अवतारी भी मानते

है, अपने मुखारबिन्द से यह परमज्ञान दिया है, तो दुःख की बात नही रह जाती लेकिन साधारण मनुश्यो के लिए इस पर अमल करना बहुत कठिन है। हमारे दो साथी हमारे बीच में आज नही है। थोडा सा अर्सा किसी के साथ रहने से लगाव पैदा हो जाता है। इन साथियो के साथ तो एक लम्बा अर्सा गुजारा है। इसी कारण से माहौल इतना गमगीन हो गया है कि बार–बार उनका जिक्र करने से सिनेमा की रील की तरह वे हमारे सामने आ जाते है। मृत्यु को सबसे बडा समाजवादी कहा गया है। इससे बडा समाजवादी और कोई नही हो सकता। इसके सामने राजा हो या रंक, गरीब हो या अमीर, सब बराबर है। जो कल किसी और का था, वह आज किसी और का है, जो आज किसी और का है वह कल किसी और का होगा, यह प्रक्रिया निरन्तर जारी है। गुरुवाणी में ठीक ही कहा गया है तेरा भाना मीठा लागे। इस पर हमें अमल करना ही होगा। अध्यक्ष महोदय,डा0 साहब के लिए, उनकी भान में उनकी तारीफ के लिए मेरे साथियो ने बहुत कुछ कहा है। डाक्टर साहब जैसे कु ाल वक्ता, निर्भिक व्यक्ति बिरले ही मिलते है। उन्होने इस सदन के गौरव को हमे ा बढाया है। एक अच्छे व्यक्ति से कोई भी संस्था या कोई संगठन हो उसका गौरव बढ जाता है और यही कारण है कि इस सदन ने भी उनको काफी सम्मान दिया है ओर काफी आदर दिया है। अध्यक्ष महोदय, मुझे वह क्षण याद आ जाता है कि जब यहां बैठे हुए किस ढंग से, किस कु ालता से सरकार में भागीदार रहते हुए भी वे अपनी बात कह जाते थे और किसी को महसूस भी नही होने देते थे। वे बडी

सारगर्भित बात कह जाते थे। वे बातें अब हमें सुनने को नही मिलेगी। वह आवाज हमे ा के लिए बन्द हो गई। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि इस तरह के व्यक्ति की याद कभी भी खत्म नही होती। ऐसी व्यक्ति की आत्मा की भांति के लिए हम प्रार्थना कर रहे है, यह तो एक परम्परा है। एक व्यक्ति अपने गुणो और आद ों के आधार पर पूजा जाता है और एक व्यक्ति अपने अवगुणो के आधार पर तिरस्कृत होता है। अध्यक्ष महोदय, आज सारा समाज और हर व्यक्ति डा0 साहब के चले जाने से गमगीन है। ऐसे व्यक्ति की आत्मा को भांति न मिले, ऐसा मै नही मानता।

स्पीकर साहब, मेरे दुसरे साथी श्री कुन्दन लाल भाटिया मेरे जिले के रहने वाले थे। उन जैसे बहादुर और बेदाग व्यक्ति मैने कम ही देखे है। उनकी पार्टी सरकार में सहयोगी रही और भागी दार भी रही लेकिन सरकार की जो कमियां और जो उनके दिमाग में आजाती थी, उनको कहने में वे कभी नही चूकते थे। मुझे एक दो बात याद है लेकिन उनको इस समय कहना ठीक नही है। उनको इस समय कहने का मौका भी नही है। डा0 साहब को अनु ासन के कारण एक दो बार कोई बात कहने से उनको मना भी किया जाता था लेकिन फिर भी वे खडे हो कर अपनी बात कह ही देते थे। वे डाक्टर साहब को कह देते कि जो बात मेरे मन मे आ गई, वह मै कहूंगा क्योकि वह सरकार की कमजोरी है।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर चौधरी राजेन्द्र सिंह का जिक आया। चौधरी राजेन्द्र सिंह पिछले समय में मंत्री रहे। वे दो बार आजाद उम्मीदवार की हैसियत से चुनकर आए। पार्टी ने उनके व्यक्तित्व को ओर उनकी काबलियत को नही पहचाना इसलिए वे आजाद उम्मीदवाार के तौर पर लडे और दोनो बार जीतकर आए। इसी बात से उनके प्रति जनता का प्रेम तथा उनकी भाोहरत का पता लगता है। उनकी पापुलैरिटी का इसी बात से अन्दाजा लगाया जा सकता है।

अध्यक्ष महोदय, इस प्रस्ताव में एक और महानुभाव जिनका कि जिक आया है, वे है पंडित कमलापति त्रिपाठी। मेरा उनसे सम्पर्क नही रहा। वे बुजुर्ग थे, स्वतंत्रता सेनानी थे ओर अपने जीवन में आजादी की लडाई के समय से लेकर आखिरी समय तक राजनैतिक पटल पर छाए रहे। वे केन्द्रीय मंत्री के रुप में, चीफ मीनिस्टर के रुप में और पार्टी प्रैजीडेन्ट के रुप में दे ा की बहुत सेवा की। उन्होने पार्टी को एक नई दि ाा देने की कोि ा ा की। जैसा कि भाई औम प्रका ा चौटाला कह रहे थे कि पार्टी मे रहते हुए भी अपने विचार में अगर कोई चीज उन्होने महसूस की तो उसके लिए उन्होने आवाज उठाई। अध्यक्ष महोदय, मै ऐसी महान हस्तिो के किन भाब्दो में श्रद्धांजलि अर्पित करुं।

अध्यक्ष महोदय, विजय लक्ष्मी पंडित का भी इस सूची में नाम आया है। मेरे से पूर्व वक्ताओ ने बहुत कुछ उनके बारे में कहा है। मै तो केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान

की महिलाओ के लिए यह बडे गौरव की बात है कि हमारे समाज में पहली भारतीय महिला को यू0 एन0ओ0 का प्रैजीडैन्ट बनने का गौरव मिला। उन्होने विदे ाो में राजदूत के पद पर भी काम किया और इस दे ा की उन्होने जिस तरह से सेवा की, उसको भुलाया नही जा सकता। अध्यक्ष महोदय, सब से बडी बात तो यह है कि वे एक ऐसे बाप की बेटी थी और एक ऐसे भाई की बहन थी, जिन्होने इस दे ा के लिए तन, मन और धन सब कुछ समर्पण कर दिया। इससे बडी बात और कोई नही हो सकती। इस सूची में और भी बहुत सी महान विभूतियो का नाम आया है जिन्होने इस दे ा की और इस प्रान्त की सेवा की है। दे ा भक्ति बहुत बडी चीज है। दे ा भक्त का गौरव दे ा का गौरव है। इन सभी महान विभूतियो को मै अपनी तथा अपनी पार्टी की ओर से श्रद्धा सुमन पे ा करता हूं ओर परमे वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को भाांति प्रदान करे और भाोक संतप्त परिवारो को इस हादसे को झेलने की भाक्ति दे तथा इस सदन में आज के दिन जो गम का माहौल नजर आ रहा है, उसे भी प्रभु भाांति प्रदान करे।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): स्पीकर सर, सदन के नेताने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, उसके समर्थन में मै अपने विचार व्यक्त करने के लिए खडा हुआ हूं। वैसे तो विपक्ष के नेता के बोलने के बाद और हमारे दल के नेता के बोलने के प चात् हमारे लिए बोलना कोई जरुरी नही था परन्तु ऐसे लोग हमारे बीच में से उठ

गये है, जिनके साथ बहुत लम्बे अर्से तक हमारा संबंध रहा है और अगर हम उनके सम्मान में दो भाब्द नही कहेगे तो हमारी आत्मा हमें कचौटती रहेगी। इसलिए इन महानुभावो के बारे में मै अपने विचार व्यक्त करना चाहूंगा। डा0 मंगल सेन जी मेरे बहुत पुराने परिचित थे। मै जब वकालत करता था तो उन्होने एक बार मुझे वकील किया। एक कम्पलेन्ट दायर हुई। वह कम्पलेन्ट लगभग पांच साल तक चलती रही। 1977 में सरकार बनी। चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री बने। डाक्टर साहब भी मंत्री मण्डल में भाामिल हुए। मै भी मंत्रीमण्डल में भाामिल हुआ। तब उस कम्पलेन्ट के बारे में राजी नामा किया गया। तब से मेरा जबरदस्त परिचय डा0 साहब के साथ रहा। राजनीतिक जीवन में बहुत कुछ निजी तौर पर मैने उन से सीखा। असैम्बली में किस प्रकार बोला जाता है, इस बारे में मैने उनसे बहुत कुछ सीखते रहे थे, पुछते रहते थे क्योकि संयोगव ा हम दोनो एक ही सीट पर बैठते थे, एक ही सीट हमें अलौट हुई थी। मेरे से पहले बोलने वाले महानुभावो ने डाक्टर साहब के व्यक्तित्व को द ार्ाने के लिए बहुत कुछ कहा। डाक्टर साहब ऐसे व्यक्ति थे जिन की पूर्ति भाब्दो से नही की जा सकती, भाब्दो में ब्यान नही किया जा सकता। डिक ानरी में ऐसे भाब्द ही नही है कि जिनसे मुकम्मल तौर पर उनके व्यक्तित्व को द ार्ाया जा सके। स्पीकर सर, डा0 साहब के निधन से दो दिन पहले मैने उनके साथ, उनके मकान पर रोहतक में चाय पी। कुछ बातें भी हुई और अचानक दो दिनो प चात् उनका निधन हो गया। उनके निधन से वि ोश रुप से हरियाणा प्रदे ा की गैर कांग्रेस पार्टियो

को काफी आघात पहुंचा जिसकी कमी कभी पूरी नही हो पायेगी। इन्ही भाब्दो के साथ, मै उनके प्रति अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं कि भगवान उनकी आत्मा को भांति प्रदान करे।

इसी प्रकार से श्री कुन्दल लाल भाटिया जोकि 1987 में पहली बार इस असैम्बली में चुन कर आये, वे भी आज हमारे बीच मैं नही रहे। मेरे विचार में कोई भी ऐसा इन्सान नही होगा जो उन से प्यार न करता होगा। वे बहुत ही बढिया किस्म के व्यक्ति थे। स्पीकर साहब, जो कुछ उनकी समझ मे आता थे, वे कह जाते थे। चाहे उनके हलके से संबंधित हो या लोगो के हितो की बात हो, उसको वे बेधडक कह ही जाते थे और सदा ही अपने व अपने हलके के लोगो के बहबूदी के लिए लडते थे।

चौधरी राजेन्द्र सिंह भजन लाल मंत्रीमंडल में 1982 में मंत्री बने। हम लोग उस समय विपक्ष मे बैठा करते थे। वे बहुत बढिया आदमी थे और बहुत अच्छे ढंग से अपने सवालो का जवाब देते थे।

चौधरी दल सिंह तो बिल्कुल मेरे गंवाडी थे। मेरा गांव उनके गांव से 5–6 मील की दूरी पर है। सब से पहले उनसे मेरा सम्पर्क तब हुआ जब मेहम में एक उप चुनाव हुआ था। उस समय मेहम से श्री हर स्वरुप बूरा ने चुनाव लडा था और रोडी से चौधरी देवी लाल ने लडा था। मेहम उप चुनाव को चौधरी दल सिंह ने संभाला था। उन्होने उस चुनाव को ऐसे जुझारु ढंग से

लडा जिसकी मिसाल नही है। अगर वे वहां पर न होते तो श्री हरस्वरुप बूरा जीन न पाते। उसके बाद भी मुझे उनसे मिलने का मौका मिलता रहा। उनके निधन से हमें बहुत दुःख है। इनके अलावा और भी कई विभूतियां हमारे बीच से उठ गई है। जैसे श्री महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने कहा हमने आत की भाोक प्रस्ताव की लिस्ट में बडे बडे राजनेता भी खोए, समाज सुधारक भी खोए, स्वतंत्रता सेनानी भी खोए तथा लेखक और विद्वान भी खोए। मै अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की ओर से इन सबको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

डा0 हरनाम सिंह (ाहबाद): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव पे ा किया है, मै उसका समर्थन करता हूं। डा0 मंगल सेन जी हमारे इस महान सदन के बेहतरीन पार्लियामैंटेरियन थे। ऐमरजैंसी के टाइम मेरा उनसे पहली बार करनाल जेल में सम्पर्क हुआ था। वे भी जेल मे थे ओर मै भी जेल में था। उस जेल में हमें चार महीने इकट्ठे रहने का मौका मिला था। जेल के अन्दर सभी लोगो को वे बडे अच्छे ढंग से मिला करते थे। वे 1977 के इलैक ान के बाद हरियाणा के होम मिनिस्टर बने तो उस समय मै उनसे मिला। मै तो दूसरी पार्टी से था और केवल जेल में उनसे मुलाकात हुई थी। लेकिन मंत्री बनने के बाद भी उन्होने मेरे साथ मित्रो जैसा सलूक किया। हमारे इस महान सदन मे वे इतने अच्छे पार्लियामैटेरियन थे कि कटाक्ष लेकर भी वे अपनी बात बडे अच्छे ढंग से कह देते थे। उनकी बात से

किसी को तकलीफ नही होती थी, उनके अन्दर यह खास गुण था।वे कहा करते थे कि हर सदस्य को अपनी बात कहने से पहले होम वर्क करके आना चाहिए। मै पहली बार एम0 एल0 ए0 बना हूं और मैने भी यह ि ाक्षा उन्ही से ली है। उनके जाने से जहां भारतीय जनता पार्टी को बहुत बडा नुकसान हुआ ही है, वहां हरियाणा की पूरी राजनीति को भी नुकसान हुआ है। उनमें राज करने का गुण नही था बल्कि विपक्ष की भूमिका निभाने का ज्यादा गुण था। सत्ता मे रहते हुए भी पार्टी की किसी बात को गलत समझते थे तो उस बारे में अपने विचार साफ व्यक्तकर देते थे।

श्री कुन्दन लाल भाटिया अपने फरीदाबाद क्षेत्र के विकास के लिए बहुत लडते रहे। अपनी पार्टी के जत्थे बंधक ढांचे के बावजूद भी वे अपनी बात कहे बगैरनही रहते थे। कई बार उनको पार्टी की तरफ से टोका जाता था कि यह बात नही कहनी है लेकिन जनता के प्रति उन्होने पूरी जिम्मेदारी निभाई।

चौधरी राजेन्द्र सिंह हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री रहे। मै तो चौधरी राजेन्द्र सिंह जी से केवल एक बार 10 मिनट के लिए मिला था। जब वे हरियाणा के फूड एवं सप्लाईज मिनिस्टर थे। उस समय हमारी मंडी मे जीरी लूट रही थी। जीरी का सही भाव किसानो के नही मिल रहा था। हम किसानो का एक डैपुटे ान ले कर उनके पास आए थे। मुझे याद है कि उन्होने हम किसानो का बहुत आदर किया था। मुझे यह भी याद है कि उन्होने केवल हमें आदर ही नही दिया बल्कि हमारे सामने मंडी में जीरी का सही

भाव न मिलने की जो समस्या थी, उसके लिए उन्होने अपने आफिसर्ज वहां भेजे और कार्यवाही की। सही मायनो में वह गरीब किसानो के मित्र थे। उनके निधन से मुझे बेहद दुख है। मै उन्हे अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

श्री कमलापति त्रिपाठी जी हमारे दे ा की आजादी से पहले के बुजुर्ग नेताओ में से एक थे। उनके निधन से सारे दे ा को बहुत बडा नुकसान हुआ है। खास तौर से आज हमारे दे ा में धर्म और मजहब के नाम पर जो झगडे हो रहे है, फूट हो रही है, उससे त्रिपाठी जी बहुत चिन्तित थे। वे लगातार कोि ा ा करते रहे कि हमारे दे ा की एकता बनी रहे। हमारे दे ा की एकता, हमारे दे ा के गौरव के लिए, सम्मान के लिए और भाांति के लिए बहुत जरुरी है। उनके निधन से हमारे दे ा को बहुत बडा नुकसान हुआ है।

श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित संयुक्त महासभा की पहली महिला अध्यक्ष रही। दुनिया के जो पांच बडे दे ा है उनमें से तीन दे ाो में उन्होने हमारे दे ा का प्रतिनिधित्व कियां। उनकी योग्यता और उनकी कामयाबी में सफलता से हिन्दुस्तान को सारी दुनिया में बहुत सम्मान मिला है। उनके निधन से दे ा को बहुत बडा नुकसान हुआ है। इनके अलावा जो साथी हमारे से बिछुड गए है, मै उन सबको अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, लीडर आफ दी हाउस ने आपके सामने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, उसमें दे ा भक्तो ओर दूसरे महानुभावो की एक बहुत लम्बी लिस्ट है। इस हाउस की रौनक डा0 मंगल सेन जी का नाम भी उसमें भाामिल है। इस लिस्ट में जिन लोगो के नाम है उन्होने हमारे दे ा के हित के लिए बहुत काम किए है। उनके बारे में जितना कहूं उतना ही कम है लेकिन मै स्पीकर होने के नाते एक बात कहना चाहता हूं कि अपने रुल्ज ऑफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट ऑफ बिजनैस, कॉल एंड भाकधर की किताब और कांस्टीच्यू ान इन तीनो किताबो की काफी नालेज डा0 साहब को थी और इन किताबो के बारेमें जितनी तैयारी करके डाक्टर मंगल सेन जी हाउस में आते थे उतनी तैयारी के साथ भाायद ही कोई मैम्बर आया हो। एक बार एक गांव का आदमी हाउस में बैठा सै ान देख रहा था। वह बाद मे मुढे मिला। उसने मुझ से कहा कि वह किताबो वाला एम0 एल0 ए0 कौन था वह बहुत बोलता था। मैने उस आदमी से कहाकि क्या आपको पता नही वह कौन है? उसने कहा मैने आज से पहले उस एम0 एल0 ए0 को नही देखा लेकिन जब भी वह बोलने के लिए उठता था, किताब को हाथ में जरुर पकडता था। मैने उस आदमी को बताया कि वे डा0 मंगल सेन है। डा0 साहब कहा करते थे कि मै होम वर्क किए बगैर हाउस में नही आता। वे एक बात और कहा करते थे कि मेरे जितने वर्कर है, मैने उनको हिदायत दी हुई है कि सै ान के दिनो में मेरे पास मत आना क्योंकि मैने तैयारी करनी है। डाक्टर साहब के अचानक इस दुनिया से चले

जाने पर सभी मैम्बर्ज को बडा दुःख और सदमा है, उससे मालूम पडता है कि वे कितने बढिया आदमी थे।

इसी तरह से श्री कुन्दल लाल भाटिया भी आज हमारे बीच में नही रहे। उनकी पर्सनैलिटी एक मा र्ल की तरह थी। उनके निधन से भी मुझे बडा दुःख है।

श्री कमलापति त्रिपाठी जी भी आज इस दुनिया मे नही रहे। श्री त्रिपाठी के साथ मुलाकात करने का तो मुझे मौका नही मिला लेकिन एक बात जरुर कहूंगा कि वह उन नेताओ में से थे जो अपनी पार्टी में रहते हुए अपनी पार्टी के लीडर को उनकी गलत नीतियो के बारे में सीधा लिखते थे। ऐसा करने की किसी दूसरे सदस्य की हिम्मत नही हो सकती। श्री फूल सिंह कटारिया भी हमारे बीच में नही रहे। श्री कटारिया एक गरीब घराने के थे। वे जितनी देर तक एम0 एल0 ए0 रहे, बहुत बढिया बोलते थे और हाउस की प्रोसीडिंग्ज में उनका बहुत कंट्रीब्यू ान होता था। आज ये सारे नेता हमारे बीच में नही रहे है, इसका हमें बहुत दुःख है। इनके बारे में सारे हाउस ने जो दुःख प्रकट किया है, यह दुःख मै उन परिवारो तक पहुंच दुंगा। अब मै परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि हे ई वर इन सभी आत्माओ को अपने चरणो में निवास दे।

अब मै हाउस से विनती करुंगा कि इन महान आत्माओ की भांति के लिए खडे हो कर दो मिनट के लिए मौन धारण करे।

(इस समय दिवंगत व्यक्तियो के सम्मान में सदन के सदस्यो ने खडे हो कर दो मिनट का मौन धारण किया।)

सभा का स्थगन

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, श्री कुन्दल लाल भाटिया और डाक्टर साहब आज हमारे बीच में नही है। इसलिए जैसा कि मुख्य मंत्री महोदय जी ने सुझाव दिया है और हाउस सहमत है, उनकी याद में अब हाउस को ऐडजर्न कर दिया जायेगा ओर आज की लिस्ट ऑफ बिजनैस की बकाया आईटम्ज़ को जैसे की प्रैजैन्टे ान आफ फर्स्ट रिपोर्ट आफ बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी, लेइंग/री–लेइंग आफ पेपर्ज और प्रैजैन्टे ान आफ प्रिलिमिनरी रिपोर्टस/रिपोर्ट आफ दी कमेटी ऑफ प्रिविलेजिज़ को भी 4 माच, 1991 को टेक–अप किया जाएगा।

16:50 बजे

(अब हाउस सोमवार, दिनांक 4 मार्च, 1991 बाद दोपहर 2:00 बजे तक स्थगित हुआ।)